वार्षिक प्रतिवेदन

2002-2003

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

वार्षिक प्रतिवेदन

२००२-२००३

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

५६–५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,

नई दिल्ली – ११००५८

प्रकाशक:

कुलपति,

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

५६–५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,

नई दिल्ली–११००५८

मुद्रक:

अमर प्रिंटिंग प्रैस

८/२५, विजय नगर दिल्ली–११०००९

विषय–सूची

		पृष्ठ सं.
१.	प्रस्तावना	५
	१.१ भूमिका और कार्य	
	१.२ कार्यक्रम और क्रियाकलाप	
	१.३ अध्यापन	
	१.४ अध्यापक प्रशिक्षण	
	१.५ शोध	
	१.६ प्रकाशन	
२.	वर्ष २००२–२००३ में उपलब्धियाँ	७
३.	संगठन और स्थापना	८
४.	शैक्षणिक अनुभाग	१२
५.	शोध एवं प्रकाशन अनुभाग	१३
६.	पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग	१९
७.	परीक्षा अनुभाग	२३
८.	प्रशासन अनुभाग	२५
९.	वित्त अनुभाग	२६
१०.	योजना अनुभाग	२८
१०.१	पुस्तकालय	३१
११.	परिसर	३२
	११.१ **उत्तरप्रदेश**	
	गङ्गानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	
	११.२ **उड़िसा**	
	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	
	११.३ **जम्मू और कश्मीर**	
	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	
	११.४ **केरल**	
	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	
	११.५ **राजस्थान**	
	जयपुर परिसर, जयपुर	
	११.६ **उत्तरप्रदेश**	
	लखनऊ परिसर, लखनऊ	

११.७ **कर्नाटक**
राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
११.८ **हिमाचलप्रदेश**
गरली परिसर, गरली
११.९ **मध्यप्रदेश**
भोपाल परिसर, भोपाल
११.१० **महाराष्ट्र**
मुम्बई परिसर, मुम्बई
१२. वर्ष की प्रमुख गतिविधियाँ ६३
१२.१ मानित विश्वविद्यालय का उद्घाटन समारोह (०३.०७.२००२)
१२.२ 'योग दर्शन: काव्यव्याख्या' का विमोचन (१७.०४.२००२)
१२.३ लखनऊ परिसर के शैक्षिक और प्रशासनिक खण्ड का उद्घाटन (१९.०१.२००३)
१२.४ मुम्बई परिसर का उद्घाटन (१६.०५.२००२)
१२.५ भोपाल परिसर का उद्घाटन (१६.०९.२००२)
१२.६ जयपुर परिसर शिलान्यास समारोह (२५.०४.२००२)
१२.७ पुरी परिसर के भवन का आधार–शिलान्यास समारोह (१४.१२.२००२)
१४.१२.२००२ को 'संक्षेपरामायणम्' का विमोचन
१४.१२.२००२ को आधुनिक संस्कृत वाङ्मय सन्दर्भ सूची का विमोचन
१२.८ भोपाल परिसर की भूमि पर चारदिवारी का शिलान्यास समारोह (२७.०२.२००३)
१२.९ लखनऊ परिसर में अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा (२७–२९.१२.२००२)
१२.१० संस्कृत दिवस समारोह
१२.११ उपाध्यक्ष श्री एन. गोपालस्वामी का आगमन और हिन्दी पखवाड़े का पुरस्कार वितरण समारोह (०७.११.२००२)
१२.१२ प्रो. करिन प्रीसेंडाज़ का आगमन
१२.१३ श्रीमती भारती देवी और प्रो. आर.के. शर्मा का आगमन
१२.१४ आइ.सी.पी.आर. के संयुक्त तत्त्वावधन में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (२९.०३.२००३)
१२.१५ दूरस्थ शिक्षा पर कार्यशालाएँ
परिशिष्ट ८०
क. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की साधारण सभा के सदस्यों की सूची।
ख. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की शासी परिषद् के सदस्यों की सूची।
ग. सम्बद्ध संस्थाएँ।
घ. संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारों के नाम।
ङ. संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालयों के नाम।

१. प्रस्तावना

१.१ भूमिका और कार्य

सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १८६० (१८६० का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत और अब मानित विश्वविद्यालय के रूप में कार्यरत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की स्थापना अखिल भारत में संस्कृत के विकास व संवर्धन हेतु अक्तूबर, १९७० में स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। यह प्रारम्भ से ही भारत सरकार द्वारा पूर्णतया निधिबद्ध है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है। और संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु विभिन्न कायक्रमों और योजनाओं के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय को सहयोग देता है। इसने सभी दृष्टिकोणों से संस्कृत भाषा और शिक्षण के प्रसार व विकास हेतु भारत सरकार के शिक्षा मन्त्रालय द्वारा १९५६ में स्थापित संस्कृत आयोग द्वारा की गई विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु केन्द्रीय निकाय कर्तव्य ग्रहण कर लिया है।

संस्थान के पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में उत्कृष्ट महत्त्वपूर्ण कार्यों अप्रकाशित संस्कृत मूल–पाठों के श्रेष्ठ प्रकाशनों, ५०,००० से भी अधिक दुर्लभ संस्कृत पाण्डुलिपियों के संरक्षण तथा प्रबन्धन को महत्त्व देते हुए भारत सरकार ने इसे ७ मई, २००२ से प्रभावी मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है जो अधिसूचना सं.एफ. ९–२८/२००० यू ३ (सी.पी.पी.–१) दिनांकित १३ जून, २००२ द्वारा अनुगत है जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ ६–३१/२००१ (सी०सी०पी०१) दिनांक १३ जून २००२ अनुगत किया गया है।

संस्था के बहिर्नियम में निर्दिष्टानुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत अध्ययन, शोध, प्रसार, विकास व प्रोत्साहन हैं और संस्थापित अथवा अधिगृहीत समस्त परिसरों के प्रबन्धन हेतु केन्द्रीय प्रशासनिक और समन्वयक तन्त्र के रूप में कार्य करना है।

इस अवधि में प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

१.२ कार्यक्रम और क्रियाकलाप

संस्थान ने अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित कार्यक्रम और क्रियाकलाप प्रारम्भ किये हैं :–

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डॉक्टर की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक अर्थात् शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रयोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों तथा महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।

१.३ अध्यापन

संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से लेकर आचार्य स्तरों तक अपने अङ्गभूत परिसरों में शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है। संस्थान द्वारा संचालित और संस्थान के सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं। सभी परिसरों में संस्कृत शिक्षा की आधुनिक प्रणाली के छात्रों को परम्परागत प्रणाली में सम्मिलित होने की सुविधा देने हेतु प्राक्शास्त्री नामक +२ स्तर का द्विवर्षीय मध्यवर्ती पाठ्यक्रम है। पुरी और जम्मू परिसरों मं प्रथमा (कक्षाएँ VI, VII और VIII) से आरम्भ करके पूर्वमध्यमा (IX और X) तथा उत्तरमध्यमा (XI और XII) तक विद्यालय स्तर का शिक्षण भी है। सम्प्रति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दस परिसरों का संचालन कर रहा है।

१.४ अध्यापक–प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शिक्षा–वर्ष के शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है जिससे संस्कृत में बी.एड्. के समकक्ष शिक्षा प्रणाली शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है।

१.५ शोध

गङ्गानाथ झा परिसर, इलाहाबाद का एकमात्र उद्देश्य चयनित शाखाओं में शोध सम्पादन है। सभी परिसरों में छात्रों को स्वयं का शोध हेतु पंजीयन कराने की सुविधाएँ विद्यमान हैं और इसके सफल समापन पर उन्हें पी.एच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

१.६ प्रकाशन

क. शोध पत्रिकाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान 'संस्कृत विमर्श:' और 'गङ्गानाथ झा परिसर, इलाहाबाद शोध पत्रिका' नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्कृत मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गङ्गानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इसके अतिरिक्त 'उशती' नामक साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन भी गङ्गानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा किया जाता है।

ख. ग्रन्थ

संस्थान देश के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा लिखित/सम्पादित/शोधमूलक/अप्रकाशित मूल–पाठ आधारित ग्रन्थ प्रकाशित करता है। सूचना वर्ष में 'संस्कृतवर्षस्मृतिग्रन्थमाला' शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशनों की श्रृंखला आरम्भ करके संस्कृत वर्ष का स्मरणोत्सव मनाने का महत्त्वपूर्ण निर्णय किया गया है। इस श्रृंखला में तीन सौ शीर्षकों को प्रकाशित करने पर विचार किया गया है। इस श्रृंखला के अन्तर्गत ५ शीर्षक मुद्रणाधीन हैं। यह निर्णय भी किया गया है कि संस्थान महत्त्वपूर्ण प्राचीन और अप्राप्य ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण करके उन्हें प्रकाशित करेगा और अल्पतम मूल्य पर विद्वानों को उपलब्ध कराएगा।

संस्थान का गङ्गानाथ झा परिसर दुर्लभ पाण्डुलिपियों के सम्पादन और प्रकाशन के प्रति समर्पित है। सूचना अवधि में विद्यापीठ के सात ग्रन्थ प्रकाशित किए हैं।

२. वर्ष २००२–२००३ में उपलब्धियाँ

- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय घोषित किया।
- भोपाल और मुम्बई परिसरों ने कार्य करना प्रारम्भ किया।
- एक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय और एक शोध संस्थान प्रारम्भ किया।
- ३३ प्रकाशन प्रकाशित किए।
- १०,६८८ छात्र संस्थान की परीक्षाओं में बैठे।
- संस्थान परिसरों में २९५४ छात्रों को प्रवेश मिला।
- उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत २५७० छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- १५ छात्रों को पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।
- संस्कृत ग्रन्थ क्रय योजना के अधीन ४५६ शीर्षकों का थोक में क्रय हुआ।
- संस्कृत साहित्य प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत प्रकाशकों/विद्वानों ने ५८ प्रकाशन प्रकाशित किए।
- स्वयंसेवी संस्कृत संस्थाओं को अनुदान योजना के अन्तर्गत ७४५ संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- स्वयंसेवी संस्कृत संस्थाओं को अनुदान योजना के अन्तर्गत ११०१ शिक्षकों को समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- स्वयंसेवी संस्कृत संस्थाओं को अनुदान योजना के अधीन ४७४६ छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।
- अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण प्रारम्भ किया गया।
- अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में शास्त्र शलाका परीक्षा को एक विषय के रूप में प्रारम्भ किया गया।

३. संगठन और स्थापना

साधारण सभा संस्थान का नीति निर्धारक सभा है और इसमें २६ सदस्य हैं जिनका विवरण परिशिष्ट 'क' के रूप में अनुबद्ध है। शास्त्री परिषद् शीर्ष कार्यकारिणी समिति है और इसमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के अतिरिक्त दस सदस्य हैं। शासी परिषद साधारण सभा द्वारा निर्धारित नीतियों को कार्यान्वित करती है। वर्तमान शासी परिषद् का संघटन यहाँ परिशिष्ट 'ख' के रूप में अनुबद्ध है।

निम्नलिखित समितियाँ/परिषदें शासी परिषद् को उसके दायित्व निर्वहण में सहयोग देती हैं :–

१. अर्थ समिति

२. विद्या परिषद्

३. प्रकाशन समिति

४. शोध समिति

५. परीक्षा मण्डल

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सात अनुभागों के द्वारा कार्य करता है :–

१. शैक्षणिक अनुभाग

२. शोध और प्रकाशन अनुभाग

३. पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

४. परीक्षा अनुभाग

५. प्रशासन अनुभाग

६. वित्त अनुभाग

७. योजना अनुभाग

इनमें से प्रत्येक अनुभाग के प्रधान उप/सहायक निदेशक/उप नियन्त्रक हैं। ये सभी अधिकारी संस्थान के कुलपति को सहयोग देते हैं जो साधारण सभा और शासी परिषद् द्वारा अनुमोदित नीतियों और कार्यक्रमों के निष्पादन के लिए उत्तरदायी मुख्य कार्यपालक अधिकारी है।

३.१ शैक्षणिक अनुभाग

यह एकक शैक्षिक कार्य–निष्पादन हेतु मानकों के निर्धारण के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों हेतु कैलेंडर निर्माण और विविध पाठ्यक्रमों हेतु पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रमुखतया उत्तरदायी है।

३.२ शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

यह एकक अङ्गभूत परिसरों की शोध और प्रकाशन गतिविधियों तथा संस्थान के शोध और प्रकाशन कार्यक्रमों और परियोजनाओं के समन्वय से सम्बद्ध है। यह संस्कृत साहित्य के निर्माण और पुस्तकों के थोक क्रम प्रदान करने जैसी योजनाओं से भी सम्बद्ध है।

३.३ पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

यह एकक पत्राचार पाठ्यक्रमों की व्यवस्था हेतु उत्तरदायी है। ये पाठ्यक्रम दो स्तरों पर प्रस्तुत किए जाते हैं और यह अनुभाग अखिल भारत में १०० अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का भी प्रबन्ध करती है, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण हेतु पाठ्यसामग्री का निर्माण करता है।

प्रस्तुत किए गए पत्राचार पाठ्यक्रम हैं :–

क. संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम
प्रथम वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

ख. संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम
द्वितीय वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण पञ्चस्तरीय स्वाध्याय सामग्री प्रस्तुत करता है जो प्रथम स्तर से प्रारम्भ होकर पञ्चम स्तर तक है। संस्कृत अध्ययन से प्रेम करने वाला समाज का कोई भी वर्ग इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो सकता हैं।

३.४ परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए वार्षिक/पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है।

प्रथमा	(कक्षा VIII)
पूर्वमध्यमा	(कक्षा X)
उत्तरमध्यमा	(कक्षा XII)
प्राक्शास्त्री	(कक्षा XII)
शास्त्री	(कक्षा BA.)
शिक्षाशास्त्री	(कक्षा B.Ed.)
आचार्य	(कक्षा M.A.)

संस्थान द्वारा शिक्षा शास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु परीक्षा अनुभाग के माध्यम से पूर्व शिक्षा शास्त्री प्रवेश–परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसे पूर्व–शिक्षा शास्त्री परीक्षा के रूप में जाना जाता है।

यह परिसरों और सम्बद्ध संस्थाओं के छात्रों को शोध उपाधि विद्यावारिधि (पी.एच्.डी.) प्रदान करने हेतु शोध–प्रबन्ध के मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा की व्यवस्था करता है।

३.५ प्रशासन अनुभाग

प्रशासन अनुभाग संस्थान और उसके अंगीभूत परिसरों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है। यह नियुक्तियों, पदस्थापनों, स्थानान्तरणों तथा अन्य स्थापना सम्बन्धी कार्यों की योजना भी बनाता है। परिसरों पर नियन्त्रण रखना भी इस अनुभाग का प्रमुख दायित्व है।

३.६ वित्त अनुभाग

इस अनुभाग के कार्य आय–व्यय का विवरण तैयार करना, अनुदान की प्राप्ति तथा उसका विरतण, वित्तीय व्यवस्था और वार्षिक लेखा–जोखा आदि तैयार करना है। यह भविष्य निधि का भी प्रबन्धन करता है और छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों के संवितरण की व्यवस्था करता है।

३.७ योजना अनुभाग

यह अनुभाग स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्तियाँ करना विभिन्न संस्कृत पाठ्शालाओं/विद्यालयों/स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना जैसी विभिन्न योजनाओं के उचित कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है। यह अनुभाग संस्कृत के पारम्परिक छात्रों के लिए अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के आयोजन हेतु भी उत्तरदायी है।

३.८ परिसर

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अंगीभूत परिसर निम्नलिखत हैं :–

क्रम सं.	परसरों के नाम	स्थान
१.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान श्री गङ्गानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
२.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान श्री सदाशिव परिसर	पुरी, उड़िसा
३.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
४.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
५.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
६.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
७.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान श्री राजीव गांधि परिसर	शृंगेरी, कर्नाटक
८.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गरली परिसर	गरली, हिमाचलप्रदेश
९.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
१०.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के.जे. सोमया परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र

ये परिसर निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए अध्यापन कार्य करते हैं :–

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
१.	प्रथमा	मिडिल
२.	पूर्वमध्यमा	सेकेण्डरी
३.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
४.	शास्त्री	बी.ए.
५.	आचार्य	एम.ए.
६.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
७.	विद्यावारिधि	पी.एच.डी.

प्रथमा से उत्तरमध्यमा तक विद्यालय अनुभाग केवल पुरी और जम्मू में चलाया जा रहा है। बफर पाठ्यक्रम होने के कारण प्राक्शास्त्री का अध्यापन गङ्गानाथ झा परिसर, इलाहाबाद के अतिरिक्त सभी परिसरों में कराया जाता है। बी.एड. कार्यक्रम का संचालन केवल पुरी, जम्मू, गुरुवायूर, जयपुर, लखनऊ और शृंगेरी में किया जाता है।

४. शैक्षणिक अनुभाग

इस विभाग की प्रधान डा. श्रीमती सविता पाठक, उप निदेशक (शैक्षणिक) हैं। इस अनुभाग में निम्नलिखित स्टाफ कार्यरत हैं :–

१.	शोध सहायक	१
२.	वरिष्ठ आशुलिपिक	१
३.	निम्न श्रेणी लिपिक	१
४.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	१

यह अनुभाग निम्नलिखित क्रियाकलापों से सम्बन्धित है–

यह संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों का प्रमुख व्यवस्थापक है और विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करता है। प्रथमा से आचार्य तक के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए अलग–अलग विषयों की समितियों का गठन किया जाता है। इसे आवश्यकतानुसार संवीक्षा हेतु अध्ययन मण्डल के पास भेज दिया जाता है। तथापि, जहाँ तक विद्यालय स्तर पर अंग्रेजी, हिन्दी और इतिहास जैसे आधुनिक विषयों का प्रश्न है, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम को अपनाया जाता है। शास्त्री कक्षा के लिए हिन्दी और अंग्रेजी जैसे आधुनिक विषयों के लिए सामान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम को अपनाया जाता है।

५. शोध और प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के प्रधान सहायक निदेशक (शोध और प्रकाशन) डा. प्रकाश पाण्डेय (एम.ए. संस्कृत, आचार्य योगतन्त्र, पी. एच.डी.) हैं।

इस शाखा में निम्नलिखित स्टाफ़ कार्यरत हैं :–

१.	अनुभाग अधिकारी	१
२.	शोध सहायक	१
३.	सहायक	२
४.	निम्न श्रेणी लिपिक	२
५.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	१

इस शाखा का दायित्व मुख्यालय और परिसरों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करना है।

इसके अतिरिक्त, मन्त्रालय से अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य भी इसके सुपुर्द किया गया है–

१. समाचारपत्रों और पत्रिकाओं के साथ–साथ संस्कृत वाङ्मय की रचना।

२. संस्कृत–ग्रन्थों का क्रय और अप्राप्य तथा दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण।

३. पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन।

वर्ष २००२–२००३ में संस्थान की अनुदान समिति की तीन बैठकें हुईं जिनमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के अधीन रु. ८३.४० लाख व्यय हुए।

संस्कृत वाङ्मय रचना योजना के अन्तर्गत अनुदान समिति के द्वारा निम्नलिखित संस्कृत पत्रिकाओं के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता का अनुमोदन किया गया है:–

क्रम सं.	पत्रिका का नाम	से प्रकाशित	अवधि	अनुदान राशि
१.	पञ्चकन्या	गोवाहटी, असम	तीमाहि	रु. ३०,०००/– प्रतिवर्ष
२.	भाषा	बलेश्वरम्	मासिक	रु. १५,०००/– प्रतिवर्ष
३.	प्रभातम	लखनऊ	तीमाहि	रु. २५,०००/– प्रतिवर्ष
४.	संस्कृत सेवा	भोपाल (मध्यप्रदेश)	प्रतिदिन	रु. १५,०००/– प्रतिवर्ष

वर्ष के दौरान पूर्वोक्त चार पत्रिकाओं के अलावा करते हुए १७ अन्य संस्कृत पत्रिकाओं के लिए रु. २,५७,९००/– का अनुदान जारी किया गया है।

इस वर्ष में संस्कृत वाङ्मय रचना योजना के अन्तर्गत भारत के विभिन्न भागों के ग्रन्थकारों प्रकाशकों को ग्रन्थों के प्रकाशन हेतु अनुदान प्रदान किए गए थे।

क्रम सं.	ग्रन्थकार का नाम	ग्रन्थ का शीर्षक	प्रकाशन	रचना वर्ष में जारी किया गया अनुदान
१.	डा. राजदेव मिश्र, फैजावाद, उत्तरप्रदेश	विवेक वीचि	शारदा प्रकाशन	३१,८३६/–
२.	डा. निरंजन दास	साहित्य दर्पण सम्पादन समीक्षात्मकाध्यनम प्रभारसुफुरथी टीका	लेखक	१४,५२४/–
३.	डा. के.के. सोमयाजलु, उड़ीसा	वाक्यपदिशा साधनसमादेशवीमर्श	अमर ग्रन्थ प्रकाशन, दिल्ली	१९,९९२/–
४.	प्रो. सी. राजेन्द्र, कालीकट तमिलनाडु	साइन और स्ट्रेक्चर इन्डोलॉजिकल एशे	लेखक	१२,९२८/–
५.	डा. (श्रीमती) शील वर्मा सिखोहाबाद	वेदान्तमुक्तावली (एक अध्ययन)	अक्षयवत प्रकाशन	१९,४९९/–
६.	पीटी. गिरिजा शंकर मिश्र सितापुर, उत्तरप्रदेश	प्रसाननभरत्नम्–महाकाव्यम्	जनपदा साहित्य सभा, सितापुर	२१,०६०/–
७.	डा. अशोक मजुमदार नई दिल्ली	होम रेमेडाईज इन आयुर्वेद	अमर ग्रन्थ प्रकाशन, दिल्ली	१,३७,१७६/–
८.	डा. विरुपाक्ष वी. जड्डीपाल तिरुपति	मीमांसा काव्यशास्त्र का शब्दशक्ति	अमर ग्रन्थ प्रकाशन, दिल्ली	३३,०४२/–
९.	डा. दशरथ द्विवेदी गोरखपुर	संस्कृत काव्यशास्त्र मे अलंकार का विकास	राधा प्रकाशन,	५८,६१५/–
१०.	डा. केशव चन्द्र महापात्र	विहावरी	लेखक	५,६२१/–
११.	डा. मोहम्मद हनिफ नई दिल्ली	महामंत्र गायत्री के बौद्धिक उपयोग	शैस्ता प्रकाशन, नई दिल्ली	४०,६७५/–
१२.	श्रीमती अनुपमा सेथ दिल्ली	हेमचन्द्र के धातुपरायण का समालोचनात्मक अध्ययन	नाग पब्लिकेशन, दिल्ली	३९,५१०/–
१३.	डा. (श्रीमती) कान्ता गुप्त	संस्कृत सेवा काव्य (१२वीं शताब्दी से	नाग पब्लिकेशन,	८९,२९५/–

	दिल्ली	१७वीं शताब्दी तक और १७वी. शताब्दी के बाद)		
१४.	राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन, जयपुर	गद्यकार बाना	राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन, जयपुर	८,८२०/–
१५.	श्री रामचन्द्र शास्त्री सुरी कर्नाटक	खंदान खाद्यम	लेखक	६६,४०६/–
१६.	डा. ब्रजमोहन तिवारी झारखण्ड (बिहार)	२०वी. शताब्दी के संस्कृत साहित्य को बिहार का अवदान	आदित्य बुक सेन्टर वाराणसी	२६,११०/–
१७.	डा. निरंजन मिश्र हरिद्वार	काव्यमाला	हंस प्रकाशन, जयपुर	२१,३०५/–
१८.	डा. रामकिशोर मिश्र मेरठ	संस्कृत चन्दन के उद्भव टाथा विकास	ज्ञान प्रकाशन, मेरठ	२८,७०७/–
१९.	डा. एन. चन्द्रशेखर नायर त्रिवेन्द्रम	श्री ललित साहाशरणम् (हिन्दी वाक्य)	जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली	५०,२०५/–
२०.	डा. (श्रीमती) सन्तोष नई दिल्ली	आचार्य चुड़ामणि	नाग पब्लिकेशन, दिल्ली	५२,१३२/–
२१.	प्रो. सी. महादेवप्पा बंग्लौर	प्रभुगीता	लेखक	६३,४६१/–
२२.	डा. ब्रज किशोर नायक पुरी (उड़िसा)	शारीदयानन्दमहाकाव्यम्	लेखक	२३,३७५/–
२३.	डा. मोहम्मद हनिफ शास्त्री दिल्ली	वैदिक साहित्य में मानव कर्तव्य	साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली	३९,६९८/–
२४.	डा. उर्मिला रस्तोगी दिल्ली	मनुस्मृति चतुर्थ अवोम पंचम अध्याय	जे.पी. पब्लिशिंग हाडस, दिल्ली	९७,५५८/–
२५.	डा. बोद्ध कुमार झा जम्मू	प्रीबन्धुशेखर (विजयमुर्तिवाक्य– खोअस्तुलतमाकाअध्ययनम्)	हंस प्रकाशन, जयपुर	१९,८९३/–
२६.	डा. अंजना, दिल्ली	नवभूषण का अनुमान प्रीछेद (आलोचनात्मकअध्ययनम्)	जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली	२३,२८६/–
२७.	डा. राम कृपाल त्रिपाठी वृन्दावन (उत्तरप्रदेश)	कवियत्रीमहाकाव्यशु काव्यशास्त्र– गुणसमिक्षा	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	२७,१९८/–
२८.	डा. कृष्ण पाण्डेय	काव्यदर्श पर रत्नश्री टीका एक समीक्षा	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	२४,८९२/–

२९.	डा. वाई.डी. शर्मा, दिल्ली	ब्रह्मसूत्रशंकरभाष्यम्	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	२,६६,६५९/–
३०.	आचार्य रामापद चक्रवर्ति वाराणसी	गंगायानमादीची	राघव प्रकाशन, वाराणसी	१,२१,७७२/–
३१.	डा. चिरंजीवी शर्मा,	यर्जुवेदीचार्यविधीविमर्श	नारायण प्रकाशन, प्रयाग	३९,९६१/–
३२.	श्री रमेश चन्द्र पाण्डेय उदयपुर	कुण्डली कलपात्रु	लेखक	४४,४२९/–
३३.	डा. दया शंकर शास्त्री, कानपुर	नव्यबोधिनी (आदेवकृति मिमांसा प्रकाश की विस्तृत हिन्दी व्याख्या)	लेखक	७९,१३०/–
३४.	डा. अवधेश प्रसार तिवारी रायवरेली	मध्यप्रचार रचित श्री शंकरद्विग्विजय एक अध्ययनम्	अक्षयवत प्रकाशन, इलाहाबाद	२६,७३८/–
३५.	डा. तारा दत्त, नई दिल्ली	शंकरद्वैत के प्रमुख सिद्धान्त के पारंपरिक विश्लेषण	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	४०,९६१/–
३६.	डा. धनेन्द्र झा, बिहार	वाक्यर्थ–विवेचनम्	लेखक	४९,६५३/–
३७.	डा. सुदर्शन कुमार शर्मा पारवानो	तिलकमंजर धनयाल ए–क्रिटीकल और कालपाल रसदी	परिमल पब्लिकेशन, नई दिल्ली	८३,७५८/–
३८.	श्री सूर्यनारायण, बंग्लौर	रघुवेद सुक्त सेर	लेखक	८२,७५४/–
३९.	डा. प्रियामाधव पाण्डेय	भारतीय दर्शन सभा अर्थ अब लेखक		६०,७१०/–
४०.	डा. निलमपा त्रिपाठी भोपाल	संस्कृत परिवेश और मध्यप्रदेश	नाग पब्लिशर्स, नई दिल्ली	४५,५६४/–
४१.	डा. राम राजु हैदराबाद	कान्ट्रीब्यूशन ऑफ आन्ध्र संस्कृत लिट्रेचर	लेखक	५८,७२९/–
४२.	डा. पियूषकान्त दीक्षित	तारकामारीतम	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	६६,८६०/–
४३.	डा. भाष्कराचार्य त्रिपाठी भोपाल	साकेतसौरभम् (महाकाव्यम्)	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	३८,६२९/–
४४.	डा. ज्ञान प्रकाश शास्त्री मैणपुर	आचार्य दुर्ग की निरुकतावृत्ति (समिक्षात्मक अध्ययनम्)	परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली	६०,१५९/–
४५.	डा. प्रमोद बाला मिश्र बरेली	मानवसरतसूत्रम्	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	८०,४८३/–
४६.	डा. वेदवती वैदिक नई दिल्ली	उपनीषदन के निर्वचन	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	३७,१४९/–

४७.	डा. सत्यदेव पचौरी नई दिल्ली	रगवेद्यासम्वद् सुक्त	अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली	४२,८५४/–
४८.	डा. लक्ष्मीनाथ झा	महामाहोपध्याय बालकृष्ण मिश्राविरचितम् लक्ष्मीशावेरी चरितम्	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	३७,००९/–
४९.	श्री प्रभाकर प्रसाद, नोएडा	शब्दनिर्णायक, लेखक	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	३३,६०६/–
५०.	डा. घनश्याम उनियाल होशियारपुर	पाणिनीयव्याकरणम् भाषावैज्ञानिकम् व्याकरणम् दिल्ली	अमर ग्रन्थ पब्लिकेशन,	४०,२९०/–
५१.	प्रो. भाष्कर मिश्र, नई दिल्ली	शिक्षा और समाज (प्राचीन से अरवाचीन तक)	नाग पब्लिशर्स,	४१,७२७/–
५२.	डा. भाष्कराचार्य, भोपाल	निलीमकाव्यम् अजास्ती हिन्दू– रुपान्तरम जनतुकाथ्यम् संस्कृतकाव्यम्	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	४९,१५६/–
५३.	डा. प्रशासीमिश्र शास्त्री रायवरेली	अशब्देयाप्रथमादिवेश	अक्षरत् प्रकाशन	२४,१९६/–
५४.	डा. भाष्कर त्रिपाठी, भोपाल	यात्रीकम्	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	३७,८२३/–
५५.	डा. वेदपति वैदिक, नई दिल्ली	उपनिषदयुगिन संस्कृत	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	७२,६९३/–
५६.	डा. रामा दवलिश, दिल्ली	अमरकोश वत्यावत (नामटिगानुशसनम्)	विद्यानिधी प्रकाशन, दिल्ली	६९,६८७/–
५७.	डा. ओम प्रकाश पाण्डेय उज्जैन	अथर्ववैदिक गोपथ ब्रह्म संस्कृत	पेनमेन पब्लिशर्स, दिल्ली	२७,६६६/–
५८.	डा. अनिवाश चन्द्र इलाहाबाद	शब्दवृत्तिविमर्श	वाणी विवेक प्रकाशन, इलाहाबाद	५९,००३/–

संस्थान ने उपर्युक्त अट्ठावन ग्रन्थों के निर्माण हेतु रु. २९,१६,६५७.०० की प्रकाशन अनुदान जारी किया है।

ग्रन्थों की क्रय सम्बन्धी योजना का विवरण इस प्रकार है:–

आवेदकों की संख्या	प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	कुल क्रय शीर्षकों की संख्या
२११	६६१	४५६

वर्ष में अनुदान की गई कुल राशि रु. २८,९८,२८४.०० है।

दुर्लभ ग्रन्थों की पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत २७ शीर्षकों का मुद्रण किया गया है जिन्हें भारत के और विदेश के विद्वानों द्वारा भली–भाँति स्वीकार किया गया है। प्रस्तुत वर्ष में इस क्रियान्वयन हेतु रु. २१,०४,२०३.०० व्यय किए गए हैं।

उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति अनुभाग के प्रधान डा. प्रकाश पाण्डेय, सहायक निदेशक (शोध और प्रकाशन) हैं। इसमें निम्नलिखित स्टाफ़ कार्यरत हैं :–

१.	अनुभाग अधिकारी	१
२.	सहायक	१
३.	उच्च श्रेणी लिपिक	२
४.	निम्न श्रेणी लिपिक	१

यह अनुभाग देश भर में उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियों का संवितरण करता है। छात्रवृत्ति की दो श्रेणियाँ हैं :–

१. पारम्परिक पाठशालाओं के छात्रों के लिए शोध छात्रवृत्तियाँ;

२. बी.ए., एम.ए. और पी.एच.डी. तथ समकक्ष पारम्परिक पाठ्यक्रम जारी रखने हेतु उचचमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ।

वर्ष २००२–२००३ में छात्रवृत्ति प्रदान करने का अलग–अलग विवरण निम्नलिखित है :–

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	नवीन (प्रथम वर्ष)	नवीकरण (द्वितीय वर्ष)
१.	प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा/यू.एस.	३२८	१२५
२.	इण्टर	६३९	१४२
३.	बी.ए.	६१३	८७
४.	शास्त्री	२०५	५७
५.	एम.ए.	१५३	१०
६.	आचार्य	१०९	०६
७.	पी.एच.डी.	४५	०२
८.	विद्यावारिधि	४८	०१
		२१४०	४३०

अनुभाग द्वारा नव्य न्याय भाषा और प्रणाली–विज्ञान पर बारह दिनों की राष्ट्र स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय परिसर में १ अक्तूबर, २००२ से १२ अक्तूबर, २००२ तक किया गया। जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय के संस्कृत अध्ययन के विशिष्ट केन्द्र ने संस्थान के साथ सहयोग दिया।

६. पत्राचार पाठ्यक्रम और अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

इस वर्ष अनुभाग का विस्तार हुआ है और इसने नए आकार को स्थान दिया है जो पत्राचार पाठ्यक्रम और अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के रूप में कार्य करेगा। सम्प्रति केन्द्र के प्रधान डा. ललित कुमार त्रिपाठी, रीडर, व्याकरण (लखनऊ विद्यापीठ से स्थानान्तरति) हैं जो संस्कृत स्वाध्याय योजना के संयोजक तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के राष्ट्रिय संयोजक हैं। यह अनुभाग निम्नलिखित स्टाफ़ के साथ कार्य कर रहा है :–

१.	शोध सहायक	१
२.	अनुभाग अधिकारी	१
३.	अनुदेशक	१
४.	निम्न श्रेणी लिपिक	२
५.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	१

इनके अतिरिक्त डा. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, और श्री रत्न मोहन झा ने मार्च, २००३ में शोध सहायक के रूप में पदभार ग्रहण किया है और इस विभाग में संस्कृत स्वाध्याय योजना तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण परियोजना के लिए सहायक संयोजक के रूप में अपना कार्य आरम्भ कर दिया है।

पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं हेतु हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। ये दो स्तरों पर हैं अर्थात् – (अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (प्रथम वर्ष)। (ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (द्वितीय वर्ष)। वर्ष २००२–२००३ में लगभग ७०० छात्रों ने पत्राचार पाठ्यक्रम में पंजीकरण कराया।

संस्कृत स्वाध्याय योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अनुभव किया है कि दूर स्थित लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संस्कृत की स्वाध्याय सामग्री को प्रकाशित करना उसका कर्त्तव्य है। पञ्चस्तरीय संस्कृत स्वाध्याय कार्यक्रम आरम्भ करने की दूरगामी परियोजना उपर्युक्त उत्तरदायित्व के बोध का परिणाम है। इस प्रकार संस्कृत स्वाध्याय योजना अस्तित्व में आई। लगभग ९०० पृष्ठों से युक्त पाँच पुस्तकों वाली प्रथम स्तरीय सामग्री पहले ही जनवरी, २००२ में बाजार में भेजी जा चुकी है। प्रत्येक स्तर के उद्देश्य नीचे निरूपित किए गए हैं :–

प्रथम स्तर : इस स्तर पर प्रयत्न किया गया है कि छात्र दैनंदिन सन्दर्भ में व्यवहारोपयोगी कुछ वाक्य बोल सकें और संस्कृत को देवनागरी लिपि में भी लिख सकें। इसमें अध्येताओं में संस्कृत सीखने की प्रारम्भिक क्षमता का विकास किया जाता है।

द्वितीय स्तर : इस स्तर पर बल दिया गया है कि अध्येताओं को चारों ओर विश्व सम्बन्धी सभी महत्त्वपूर्ण विचारों को अभिव्यक्त करने में सक्षम बनाया जा सके और कुछ जटिल भावों को अभिव्यक्त करने की उनकी क्षमता में सुधार लाया जा सके।

तृतीय स्तर : इस स्तर पर भाषा सीखने की प्रवीणता को अधिक पूर्णता की ओर बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है और सरल काव्य को समझने में उनका मार्गदर्शन किया गया है।

चतुर्थ स्तर : इस स्तर में उच्च स्तरीय संस्कृत शिक्षण के साथ–साथ संस्कृत काव्यों के अध्ययन के द्वारा अध्येता की भाषा को साहित्य लेखन एवं अभिभाषण की दृष्टि से विकसित करना है।

पञ्चम स्तर : भाषित एवं साहित्यिक संस्कृत को समझने, अभिव्यक्त करने तथा लेखन संबधी अध्येताओं की प्रतिभा को प्रत्येक दृष्टिकोण से पूर्ण करने का प्रयास किया गया है। इस स्तर पर आवश्यक व्याकरणिक निवेशों को स्पष्ट किया गया है। इस स्तर के अन्त में अध्येता से अपेक्षा की जाती है कि वह टीका की सहायता से संस्कृत साहित्य और अन्य ग्रन्थों को समझने में पूर्णतया समर्थ हो सके।

- इस परियोजना के अन्तर्गत स्वाध्याय के लिए उपयुक्त मूल–पाठ के रूप में संक्षेप–रामायण तैयार की गई जिसमें अभिनव अभ्यास दिए गए हैं। इसका सम्पादन और प्रकाशन २००२–२००३ में किया गया है।
- संस्कृत स्वाध्याय योजना के अन्तर्गत द्वितीय स्तर के पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई और उसकी अध्ययन सामग्री का प्राथमिक लेखन सम्पन्न हो चुका है।
- प्रारम्भिक पाठ्यक्रम और इसकी फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष और वास्तु–शास्त्र की रूपरेखा तैयार की जा चुकी है।
- तृतीय स्तर पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है और इसके कुछ अध्याय प्राथमिक रूप में लिखे जा चुके हैं।
- प्रथम स्तर की पाँच हजार (५०००) प्रतियाँ कुछ परिवर्तन और संशोधन के साथ पुनर्मुद्रित की गई हैं।
- इस परियोजना के अन्तर्गत चार कार्यशालाएँ आयोजित की जा चुकी हैं।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र प्रायोगिक आधार पर

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को प्रायोगिक आधार पर सम्पूर्ण देश में वर्ष २००३ में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों को त्रैमासिक चक्र में संचालन हेतु स्वीकृति प्रदान की गई।

देश में १०० केन्द्रों की राज्य–वार स्थिति नीचे दी गई हैं :–

राज्य–वार आँकड़ा शीट

राज्य	केन्द्रों की संख्या	अध्येताओं की संख्या (प्राप्त आँकड़ों के आधार पर)
अण्डमान	१	३२
आन्ध्रप्रदेश	१०	५४१

असम	३	१७२
गुजरात	५	२०५
हरियाणा	१	६०
हिमाचल प्रदेश	१	६४
जम्मू और कश्मीर	१	५३
कर्नाटक	७	३५१
केरल	१५	५८०
मध्यप्रदेश	१	२०
महाराष्ट्र	५	२७६
नई दिल्ली	२	६५
उड़िसा	१६	९५८
राजस्थान	६	४१२
तमिलनाडु	६	४१३
उत्तरप्रदेश	१६	५९५
उत्तराञ्चल	२	९४
पश्चिम बंगाल	२	६६
कुल	**१००**	**४,९५७**

इन केन्द्रों के अध्येताओं ने बहुत उत्साह दिखाया। चार हजार से भी अधिक छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, अभियन्ताओं, बैंककर्मियों, उद्योगपतियों, अधिकारियों, वकीलों, वैज्ञानिकों, कम्प्यूटर वैज्ञानिकों, कृषकों और गृहिणियों आदि ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्राप्त आँकड़ों पर आधारित एक विश्लेषण नीचे दिया जा रहा है :—

सहभागियों का विश्लेषण :—

१.	शिक्षक, प्रध्यापक, प्रोफेसर, पी.एच.डी., नेट	४४९
२.	डॉक्टर, इन्जीनियर	६५
३.	ऑफिसर (कमिश्नर, बैंक मैनेजर आदि)	४३
४.	वकील, एल.एल.बी.	३१

५.	सेवानिवृत्त	३७२
६.	विज्ञान छात्र	१२९
७.	• कॉमर्स छात्र	०८२
८.	व्यापारी	१०२
९.	अन्य	३६८२
	कुल	४९५७

समाज की सभी जातियों और समुदायों के लोगों ने संस्कृत सीखने में अति उत्साह दिखाया। अध्येताओं के परामर्श–पत्र, पोस्ट–कार्ड, अन्तर्देशी पत्र और दूरभाष सन्देश उनकी आन्तरिक भावनाओं को व्यक्त करते हैं।

समाज के गण्यमान्य व्यक्तियों के द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के विभिन्न केन्द्रों का उद्घाटन किया गया। इन केन्द्रों के सम्यक् संचालन में सभी केन्द्राध्यक्षों, केन्द्र संयोजकों और संस्कृत शिक्षकों ने पूर्ण सहयोग दिया है। इन केन्द्रों का संचालन करने वाली संस्थाओं ने राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख समाचार–पत्रों, स्थानीय समाचार–पत्रों और पत्रिकाओं में विज्ञापन, समाचार और सूचनाएँ दीं। विज्ञापनों, बैनरों और हैण्डबिलों के द्वारा भी प्रचार और प्रसार किया गया। केन्द्रों में भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गए।

केन्द्रों पर पाठ्य–सामग्री का मुख्य आधार प्रथमा दीक्षा की पाठ्य सामग्री थी। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने इस सामग्री को तैयार और प्रकाशित किया है। अध्येताओं को यह सामग्री लागत–मूल्य पर उपलब्ध कराई गई। जो अध्येता न्यूनतम ७५ प्रतिशत कक्षाओं में उपस्थित रहे अथवा जिन्होंने स्थानीय केन्द्रों द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण की, उन्हें प्रथमा दीक्षा की समाप्ति पर सहभागिता प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। संस्थान ने प्रथमा दीक्षा के अन्त में अध्येताओं से पाठ्य–सामग्री के विषय में परामर्श–पत्र आमन्त्रित किए थे। अध्येताओं ने तारतम्यता, सुगम्यता, अभ्यासों के वैविध्य और शिक्षण–प्रणाली विज्ञान के दृष्टिकोण से पाठ्य–सामग्री को श्रेष्ठ माना है।

विभिन्न केन्द्रों पर त्रैमासिक पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कसबों में भी इनका संचालन किया गया। संस्कृत शिक्षकों को अति दूर के स्थानों से भी आना पड़ा। परिणाम अत्यन्त सुखद एवं रोमांचक रहे।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन देशभर में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों और स्वैच्छिक संस्थाओं में किया गया।

सहस्रों अध्येतओं ने इन केन्द्रों के माध्यम से न केवल आगामी अध्ययन हेतु अपनी सकारात्मक अभिरूचि प्रदर्शित की, अपितु ज्योतिष, दर्शन, कर्मकाण्ड आदि संस्कृत के विभिन्न विषयों पर अल्पावधि पाठ्यक्रमों के संचालन के सुझाव भी दिए। अतः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भविष्य में भी इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु सभी संभव प्रयास कर रहा है।

संस्थान इस कार्यक्रम के माध्यम से दूर–दूर तक पहुँच सका और वृद्धि हेतु अपने आधार का विस्तार भी कर सका।

७. परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग के प्रमुख डा. जी.आर. मिश्र (एम.ए., संस्कृत, पी.एच.डी.) उपनियन्त्रक (परीक्षा) हैं जिसमें त्रि–स्तरीय स्टाफ़ स्वरूप है। इस अनुभाग में निम्नलिखित स्टाफ़ कार्यरत हैं :–

१.	अनुभाग अधिकारी	१
२.	शोध सहायक	१
३.	सहायक	३
४.	अनुदेशक	१
५.	वरिष्ठ आशुलिपिक	१
६.	निम्न श्रेणी लिपिक	३
७.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	२

संस्थान की परीक्षाओं का आयोजन और मूल्यांकन इसका मुख्य दायित्व है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षाएँ विद्यापरिषद् द्वारा निर्धारित मार्गदर्शक सिद्धान्तों और इस उद्देश्य से निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष २००२–२००३ में विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या इस प्रकार है :–

क्रम सं.	कक्षा	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण	प्रतिशत
१.	प्रथमा III	२२६	२२०	९७
२.	पूर्वमध्यमा I	८२६	७६१	९२.१३
३.	पूर्वमध्यमा II	१०९१	९९६	९१.२९
४.	उत्तरमध्यमा I	२०६	२०४	९९
५.	उत्तरमध्यमा II	४१२	४०३	९८
६.	प्राक्शास्त्री I	१०५१	१०२८	९७.८१
७.	प्राक्शास्त्री II	८३१	७८२	९४.१०

८.	शास्त्री I	१३०३	१२८९	८९.९३
९.	शास्त्री II	१४८३	१४७१	९९
१०.	शास्त्री III	९४४	८६९	९२
११.	आचार्य I	११३०	१०६७	९४.४२
१२.	आचार्य II	८१८	७५०	९१.६९
१३.	शिक्षाशास्त्री	३६७	३४३	९३.४६

विगत वर्षों की भान्ति २००२–२००३ में संस्थान के अधीन विभिन्न परिसरों में शिक्षा शास्त्री पाठ्यक्रम में छात्रों के प्रवेश हेतु पी.एस.एस.टी (पूर्व शिक्षा शास्त्री परीक्षा) भी आयोजित की गई थी। परीक्षा में ५५४७ छात्रों ने भाग लिया। इस वर्ष १५ छात्रों को विद्यावारिधि उपाधि प्रदान की गई।

संस्थाओं से सम्बद्धता

संस्थान ने कुछ ही परिसरों से आरम्भ किया था। लेकिन बाद में कुछ निजी प्रबन्धित संस्थाओं को इससे सम्बद्ध कर लिया गया। विगत कुछ वर्षों में सम्बद्ध संस्थाओं की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है। संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं की सूची संलग्नक 'ग' में दी गई है।

८. प्रशासन अनुभाग

उपनिदेशक (प्रशासन) इस अनुभाग के प्रमुख हैं। इस वर्ष निम्नलिखित स्टाफ़ इसमें कार्यरत हैं :–

१.	अनुभाग अधिकारी	१
२.	सहायक	१
३.	वरिष्ठ आशुलिपिक	१
४.	उच्च श्रेणी लिपिक	२
५.	निम्न श्रेणी लिपिक	७
६.	अतिथि संचालक	१
७.	स्टाफ कार ड्राइवर	२
८.	चतुर्थ श्रेणी लिपिक	१०

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन अनुभाग नियमों, विनिमयों और प्रक्रिया अनुसार आन्तरिक लेखा कार्य और व्यवस्था के कार्य करता है। यह संस्थान के विभिन्न अंगीभूत परिसरों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने के लिए आवश्यक स्थापना सहायता प्रदान करता है। यह अनुभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना सम्बन्धी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन अधिग्रहण, नए परिसरों की स्थापना और संस्थान की साधारण सभा एवं शासी परिषद् की बैठकों के संचालन आदि कार्य करता है।

जिन परिसरों के पास अपना भवन नहीं है, उनके लिए भवन–निर्माण हेतु जमीन प्राप्त करने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। जम्मू, जयपुर, लखनऊ, पुरी एवं शृंगेरी परिसरों के भवन निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। इसके अतिरिक्त जम्मू, जयपुर, शृंगेरी, लखनऊ, पुरी और गुरुवायूर परिसरों में लड़कों और लड़कियों के छात्रावास, पुस्तकालय और न्यूनतम स्टाफ़ आवास आदि के द्वितीय चरण का निर्माण प्रक्रियाधीन है।

इस वर्ष मुम्बई और भोपाल में दो परिसरों ने अपने शैक्षणिक क्रियाकलाप आरम्भ कर दिए हैं।

९. वित्त अनुभाग

इस अनुभाग के प्रमुख अधिकारी श्री सी.एस. कनियाल, उपनिदेशक (वित्त) हैं। अनुभाग में निम्नलिखित स्टाफ़ कार्यरत है:–

१.	अनुभाग अधिकारी	१
२.	उच्च श्रेणी लिपिक	३
३.	निम्न श्रेणी लिपिक	३
४.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	२

बजट (२००२–२००३)

वर्ष २००१–२००२ के रु. १७२.३१ लाख के अप्रयुक्त शेष को वित्तीय वर्ष २००२–२००३ में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रु. ३,७०२.३१ लाख का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को अंगीभूत एककों में निम्नलिखित प्रकार से आबंटित किया गया :–

क्रमांक	एकक का नाम	योजनागत	योजनेत्तर	कुल योग
१.	मुख्य परिसर	९३७.७०	८७२.९४	१८१०.६४
२.	पुरी परिसर	—	१६५.६२	१६५.६२
३.	जम्मू परिसर	३२३.५७	१५५.६०	४७९.१७
४.	इलाहाबाद परिसर	१.१७	९९.९७	१०१.१४
५.	गुरुवायूर परिसर	२०८.००	११६.८७	३२४.८७
६.	जयपुर परिसर	१९०.७७	१३५.८५	३२६.६२
७.	लखनऊ परिसर	१२०.००	११८.७९	२३८.७९
८.	शृंगेरी परिसर	१८१.३५	—	१८१.३५
९.	गरली परिसर	४४.११	—	४४.११
१०.	भोपाल परिसर	२०.००	—	२०.००
११.	मुम्बई परिसर	१०.००	—	१०.००
	कुल	२०३६.६७	१६६५.६४	३७०२.३१

वर्ष में यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं व्यय की अन्य रख रखाव की मदों पर उपयोग में लाया गया। वित्तीय वर्ष के अन्त में रु. ६१२.५४ लाख (योजनागत रु. २६१.३६ लाख और योजनेतर रु. ३५१.१८ लाख) की धनराशि व्यय न होने के कारण अवशिष्ट रही।

लेखा

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा–परीक्षा हेतु डी.जी.ए.सी.आर. को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष २००२–२००३ के समेकित लेखे डी.जी.ए.सी.आर. को लेखा–परीक्षा हेतु दिनांक १८–०९–२००३ को प्रस्तुत किए गए।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया गया है।

लेखा–परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा–परीक्षा आपत्तियों को निपाटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा–परीक्षा प्राधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु–संख्यक लेखा–परीक्षा–आपत्तियों को निपटाया गया।

इस अनुभाग को आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों से सम्बन्धित कार्य और संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी तथा फारसी भाषाओं के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान करने हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को मानदेय देने का कार्य भी सौंपा गया है।

१०. योजना अनुभाग

यह अनुभाग श्री सी.एस. कनियाल, उप निदेशक (वित्त) के अधीन कार्य कर रहा है। इनमें निम्नलिखित स्टाफ़ कार्य कर रहे हैं :–

१.	अनुभाग अधिकारी	१
२.	सहायक	२
३.	उच्च श्रेणी लिपिक	२
४.	निम्न श्रेणी लिपिक	२
५.	चतुर्थ श्रेणी लिपिक	१

संस्थान संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है।

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता :

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान और संस्थान–भवन के निर्माण के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत संस्थान द्वारा वर्ष २००२–२००३ में रु. ३७२/– लाख की राशि व्यय की गई थी। इस वर्ष में ७४५ संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ii) अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता

संस्थान देश के विभिन्न भागों में प्रत्येक वर्ष अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा आयोजित करता है जिससे पारम्परिक संस्कृत छात्रों को शास्त्रीय संस्कृत भाषा में आशु भाषाण में प्रोत्साहित किया जा सके। समस्या–पूर्ति की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है। प्रत्येक राज्य सरकार/संघा शासित प्रदेश सरकार से आठ शास्त्रीय विषयों में प्रतियोगिता हेतु एक अध्यापक सहित आठ सहभागियों के नाम भेजेन का अनुरोध किया जाता है। प्रत्येक में सर्वोत्तम प्रतियोगी को एक पदक और प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है। साथ में उत्तमता के क्रम में अर्थात् क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय रु. ८००/–, रु. ५००/– और रु. ३००/– नकद पुरस्कार दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों के अतिरिक्त विजेताओं को पदक भी दिए जाते हैं। इस अवधि में श्लोकान्त्याक्षरी की पुरस्कार राशि को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के रूप में परिशोधित करके रु. ३०००/–, रु. २०००/– और रु. १०००/– कर दिया गया है।

वर्तमान दस विषयों के अतिरिक्त ''शास्त्र शलाका परीक्षा'' को भी वर्ष (२००२–२००३) में आरम्भ किया गया है। शृंगेरी में गत वर्ष की प्रतियोगिताओं में घोषित अनुसार ''शास्त्र शलाका परीक्षा'' निम्नलिखित तीन विषयों में आयोजित की जानी है।

१.	व्याकरण	वैयाकरण सिद्धानत कौमुदी से दशगणी
२.	न्याय	नीलकण्ठ की प्रकाशिका टीका सहित तर्क–संग्रह–दीपिका
३.	काव्य	कुमारसम्भव के प्रथम छः सर्ग

इस प्रतियोगिता का स्वरूप भारत की शास्त्र शिक्षण पद्धति की प्राचीन परम्परा से लिया गया है जिसमें छात्र को व्याख्या सहित सार मूल–पाठ स्मरण करना होता है और ''रजत शलाका'' के द्वारा व्यक्त बिन्दु से वर्णन और व्याख्या करना अपेक्षित होता है। इस कठिन प्रतियोगिता का लक्ष्य परम्परा को पुनर्जीवित करना है और छात्र की स्मरण–शक्ति को तीक्ष्ण करना है।

इस प्रतियोगिता के तीन भाग हैं :

१. कन्था–पाठ परीक्षणम् : प्रतियोगी को विशेषज्ञों के परितोष होने तक प्रदत्त पाठ की पंक्तियों को अपनी स्मरण–शक्ति द्वारा सुनाना होता है।

२. व्याख्यान परीक्षणम् : प्रतियोगी को विशेषज्ञों के परितोष होने तक व्यक्त–पाठ का बिना देखे व्याख्या करनी होती है।

३. प्रश्न समाधानम् : प्रतियोगी को शलाका द्वारा मूल–पाठ के व्यक्त भाग से सम्बन्धित किसी भी प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देना होता है।

इस प्रकार शलाका को प्रत्येक प्रतियोगी के लिए ग्रन्थ को नौ बार व्यक्त करना होता है। प्रत्येक राज्य से प्रत्येक विषय (कुल तीन) में एक तीक्ष्ण–बुद्धि प्रतियोगी को इस प्रतियोगिता हेतु अनुमति प्रदान की जाती है।

पदक, प्रमाण–पत्र तथा रु. ३०००/–, रु. २०००/– और रु. १०००/– की राशि प्रत्येक विषय में क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के विजेताओं को पुरस्कार के रूप में प्रदान की जाती है।

(iii) शास्त्र चूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संगठनों में की जाती है। इसके लिए बजट में ३० लाख का प्रावधान किया गया। प्रत्येक विद्वान् को रु. २५००/– प्रति माह दो वर्ष की अवधि के लिए दिए जाते हैं। अनुदान–समिति की संस्तुति पर एक वर्ष के लिए इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चुने हुए संगठनों को ज्योतिष, कर्म–काण्ड, पुरालिपि–शास्त्र, सूची–निर्माण, पाण्डुलिपि–विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विषयों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना अन्तर्गत (२००२–०३ में) रु. २ लाख व्यय किए गए।

(v) आदर्श संस्कृत महाविद्यालय / शोध संस्थान

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में २३ संस्थाएँ संस्थान के अधीन चल रही हैं। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त संस्थाओं को व्यय की आवर्ती मदों पर ९५% तथा अनावर्ती मदों पर ७५% अनुदान दिया जाता है। इस वर्ष योजना में रु. २२८.११ लाख तथा योजनेतर में २२४.९८ लाख रुपए की धनराशि संस्थान के द्वारा इन संस्थाओं को दी गई।

(vi) संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धान्तों के आधार पर १५०० ई.पू. से १९०० ई. तक की अवधि का एक अतिव्यापक संस्कृत शब्दकोश डेकन कॉलेज, पूना के द्वारा तैयार किया जा रहा है। यह परियोजना वर्ष १९४८ से आरम्भ की गई थी। डेकन कॉलेज, पूना का संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग प्रधान सम्पादक की अध्यक्षता में कार्य कर रहा है और अब तक इस परियोजना में शब्दकोश के ३०४८ मुद्रित पृष्ठों से युक्त ६ खण्ड (पाँच खण्ड तीन भागों में और छठे खण्ड का एक भाग) प्रकाशित किए गए हैं। कार्य प्रगति पर है। यह परियोजना मुख्यत: भारत सरकार के द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त है तथा महाराष्ट्र सरकार के द्वारा भी कुद वित्तीय सहायता दी जाती है। वर्ष २००२–२००३ के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने शब्दकोश परियोजना के लिए २५ लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई।

(vii) भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को मानदेय राशि

भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को संस्थान प्रति वर्ष ५०,०००/– रुपए की मानदेय राशि देता है।

इस वर्ष के दौरान इस मद में रु. १२८.७२ लाख व्यय किए गए।

१०.१ पुस्तकालय

संस्थान के शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु संस्थान में संस्कृत ग्रन्थों के ५००० से भी अधिक शीर्षकों से युक्त पुस्तकालय है। अनुभाग की प्रधान डा. (श्रीमती) शुक्ला मुखर्जी, पुस्तकालयाध्यक्ष हैं जो निम्नलिखित कर्मचारियों के साथ विक्रय व कम्प्यूटर के कार्यों की देखभाल भी करती हैं :

१.	पुस्तकालय सहायक	१
२.	सहायक	१
३.	निम्न श्रेणी लिपिक	१
४.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	२

अनुभाग ने भोपाल और मुम्बई परिसरों को कम्प्यूटर प्रदान किए हैं। संस्थान के पूर्व शिक्षा शास्त्री परिणाम वेबसाइट पर २००२–२००३ से प्रारम्भ किए गए हैं। वर्ष में प्राप्त ग्रन्थों का विवरण तथा बिक्री आय निम्नलिखित है :

पुस्तकालय

१.	क्रीत ग्रन्थ	रु. १२,८०७.००
२.	उपहार के रूप में प्राप्त ग्रन्थ	रु. २,१७,३८४.००

विक्रय

१.	पुनर्मुद्रित दुर्लभ ग्रन्थ	रु. ५,४३,९७१.००
२.	संस्थान के प्रकाशन	रु. ७,८४,९८७.००
	कुल योग	रु. १३,२८,९५८.००

११. परिसर

११.१ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री गङ्गानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

परिसर विवरण

इलाहाबाद परिसर एक शोध संस्थान है जो राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का अंग है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की पी.एच.डी. (विद्यावारिधि) उपाधि हेतु शोधकार्य करने के लिए परिसर प्रतिवर्ष एक निश्चित संख्या में शोध छात्रों को प्रवेश देता है। इस प्रकार से प्रविष्ट शोध–छात्र विद्यापीठ के शैक्षिक स्टाफ़ के मार्गदर्शन में कार्य करते हैं तथा परिसर के पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि अनुभाग में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करते हैं। पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपियों का उपयोग न केवल विद्यापीठ के छात्रों और विद्वानों के लिए सीमित है अपितु सभी विद्वानों के लिए संदर्भ पुस्तकालय के रूप में खुली है। यह परिसर मान्यता प्राप्त शोध केन्द्र है। परिसर संस्कृत एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के विभिन्न वर्गों के विद्वानों एवं शोधर्थियों को अपनी क्षमता के अनुसार अपने पुस्तकालय के उपयोग के लिए आमन्त्रित करता है।

शैक्षिक स्टाफ़ के सभी सदस्य छात्रों को शोध–कार्य में मार्ग–दर्शन करने के अतिरिक्त संस्थान द्वारा दिए गए विषयों पर अपना शोध–कार्य भी करते हैं। परिसर की शोध–परियोजनाओं का कार्य न केवल वैयक्तिक रूप से अपितु सामूहिक रूप से भी किया जाता है।

शंकाय सदस्यों की पार्श्विका

क्रमसं.	नाम	पदनाम	अर्हता	विशेषज्ञता
१.	डा. गोप राजू रामा	रीडर एवं प्राचार्य	विद्याप्रवीण, साहित्याचार्य, साहित्यशास्त्र, धाकरावृत्ति (पी.एच.डी.) डिप्लोमा इन जर्मन	व्याकरण एवं साहित्य
२.	डा. श्रीमती एस.के. मिश्र	रीडर	साहित्याचार्य, आर्युवेदाचार्य, साहित्यशास्त्र, साहित्याचार्य, विद्यावारिधि	साहित्य
३.	डा. वी.एन. गिरि	रीडर	साहित्याचार्य, एम.ए. (संस्कृत) आचार्य (पुराणिक वेद), विद्यावारिधि	साहित्य
४.	डा. बनमाली विश्वाल	रीडर	व्याकरणाचार्य, एम.ए., एम.फिल, पी.एच.डी., नेट, आचार्य (नव्य व्याकरण और साहित्य) पी.एच.डी.	व्याकरण

५.	डा. आर. एन. मिश्र	रीडर	व्याकरणाचार्य, एम.ए., एम.फिल, पी.एच.डी., नेट	व्याकरणाचार्य
६.	श्री श्रीराम मिश्र	सीनियर ग्रेड लेक्चरर	साहित्याचार्य	साहित्य
७.	डा. श्रीमती सैलजा पाण्डेय	शोध सहायक	एम.ए. (संस्कृत), वेद, आचार्य (प्राकृत इतिहास), पी.एच.डी., डी.लिट.	शोध
९.	श्री राम चन्द्र	शोध सहायक	एम.ए. (संस्कृत)	शोध
१०.	श्री कैलाश चन्द्र दास	शोध सहायक	एम.ए. (संस्कृत)	शोध

उपर्युक्त के अतिरिक्त विद्यापीठ के पुस्तकालय और पाण्डुलिपि अनुभाग हेतु निम्नलिखित पद भी हैं :

१.	प्रोजेक्ट ऑफिसर	१
२.	लाइब्रेरियन	१
३.	क्यूरेटर	१
४.	एसिसटेन्ट लाइब्रेरियन	२
५.	लाइब्रेरी पण्डित	१
६.	कॉपिसीएट	१

वर्ष में छात्रवृत्तियाँ प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : ५३

विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) के लिए पंजीकृत छात्रों की संख्या : ५५

परिसर ने इस अवधि में सात ग्रन्थ प्रकाशित किये।

११.२ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)
परिसर विवरण

परम्परागत संस्कृत अध्ययन–अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध, राज्य सरकार के अन्तर्गत संचालित सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का १५ अगस्त, १९७१ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अधिग्रहण किया गया।

पुराने सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का नाम बदल कर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी रखा गया। अब यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के पुरी परिसर के रूप में कार्य कर रहा है।

यह परिसर साहित्य, नव्य व्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, ज्योतिष, अद्वैत वेदान्त, नव्य न्याय, सर्वदर्शन आदि विभिन्न विभागों में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण प्रदान करता है।

इन विषयों के अतिरिक्त, संस्थान के पाठ्यक्रमों के अनुसार अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास और गणित जैसे कुछ आधुनिक विषयों का अध्यापन शास्त्री और विद्यालय स्तर की कक्षाओं में किया जा रहा है। परिसर में शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं।

छात्र विवरण

२. **वर्ष २००२–२००३ में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :–**

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
१.	आचार्य-II	८७
२.	आचार्य-I	१२७
३.	शिक्षाशास्त्री-I	६०
४.	शास्त्री-III	४३
५.	शास्त्री-II	४४
६.	शास्त्री-I	४३
७.	प्राक्शास्त्री-II	२२
८.	प्राक्शास्त्री-I	४२
९.	उत्तरमध्यमा-II	०१
१०.	पूर्वमध्यमा-II	०१
	कुल	**४७०**

३. वर्ष में छात्रवृत्तियाँ प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या :–

क्रम सं.	कक्षा	छात्रों की संख्या
१.	आचार्य-II	७८
२.	आचार्य-I	१११
३.	शास्त्री-III	३९
४.	शास्त्री-II	३४
५.	शास्त्री-I	३७
६.	शिक्षाशास्त्री	३०
७.	प्राक्शास्त्री-II	१८
८.	प्राक्शास्त्री-I	३०
९.	उत्तरमध्यमा-II	०१
	कुल	**३७८**

४. वार्षिक परीक्षा, २००२–२००३ के परिणामों की प्रतिशतता :–

क्रम सं.	कक्षा	प्रतिशतता (%)
१.	आचार्य-II	९२.१३
२.	आचार्य-I	९८.६३
३.	शिक्षाशास्त्री	९५.२३
४.	शास्त्री-III	५७.१४
५.	शास्त्री-II	९६.२२
६.	शास्त्री-I	९६.६६
७.	प्राक्शास्त्री-II	५५
८.	प्राक्शास्त्री-I	१००
९.	उत्तरमध्यमा-II	५०
१०.	उत्तरमध्यमा-I	
११.	पूर्वमध्यमा-II	०
१२.	पूर्वमध्यमा-I	३३.३३

५.	वर्ष में छात्रावास सुविधाएँ पाने वाले छात्रों की संख्या	:	१३३
६.	२००२–२००३ में प्रवेश पाने वाले अ.जा./अ.ज.जा. छात्रों की संख्या	:	२२
७.	२००२–२००३ में प्रवेश पाने वाली छात्राओं की संख्या	:	२४६
८.	विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) हेतु पंजीकृत छात्रों की संख्या	:	०२

परिसर के शिक्षकों का विवरण

	नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
१.	डा. वी.पी. हिमांशु	प्राचार्य	एम.ए. (संस्कृत), पी.एच.डी., डी.लिट्	साहित्य
२.	डा. जी. गगन्ना	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), शिरोमणि, आचार्य (अद्वैत वेदान्त), बी.एड., पी.एच.डी., डी.लिट्	वेदान्त
३.	डा. आर.टी. मिश्र	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), आचार्य (साहित्य) और पुराणेतिहास, पी.एच.डी.	पुराणेतिहास
४.	डा. एफ.एम. पाण्डेय	रीडर	आचार्य (पुराणेतिहास), पी.एच.डी.	पुराणेतिहास
५.	डा. के. मिश्र	रीडर	आचार्य (धर्मशास्त्र), बी.एड., पी.एच.डी., डी.लिट्	धर्मशास्त्र
६.	डा. चौ.एन.वी.प्रसाद राय	रीडर	आचार्य (अद्वैतवेदान्त), बी.एड., पी.एच.डी.	अद्वैतवेदान्त
७.	डा. एस.पी. पाठक	रीडर	आचार्य (नव्यव्याकरण), पी.एच.डी.	व्याकरण
८.	श्री एस.वी.आर. मुर्ति	रीडर	एम.ए. (अंग्रेजी), संस्कृत में डिप्लोमा, कम्प्यूटर में सर्टिफिकेट कोर्स	अंग्रेजी
९.	डा. एस.एन. मिश्र	रीडर	आचार्य (सिद्धान्तज्योतिष) और (फलितज्योतिष), आचार्य (साहित्य), पी.एच.डी., डी.लिट्	ज्योतिष
१०.	डा. ए.के. नन्दा	रीडर	आचार्य (धर्मशास्त्र), बी.एड., पी.एच.डी., डी.लिट.	धर्मशास्त्र
११.	डा. एच.के. महापात्र	रीडर	आचार्य (व्याकरण), पी.एच.डी.	व्याकरण
१२.	डा. के.वी. सौमयाजलु	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), विद्याप्रवीण, बी.एड., पी.एच.डी.	व्याकरण
१३.	डा. एम.जे. भानुमुर्ति	रीडर	विद्याप्रवीण, शिक्षाचार्य, विद्यावारिधि, एम.ए. (संस्कृत)	शिक्षाचार्य
१४.	डा. सी. उपेन्द्र राय	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), एम.ए. (पाली), बी.एड., एम.फिल्, पी.एच.डी.	साहित्य
१५.	श्री बी. प्रसाद मोहन्ती	लेक्चरर (सीनियर ग्रेड)	बी.ए., एम.पी.एड., एन.आई.एस.	शारीरिक शिक्षा

१६.	डा. श्रीमती एम. रथ	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (पुराणेतिहास), बी.एड., पी.एच.डी.	पुराणेतिहास
१७.	डा. एल.के. साहू	सीनियर लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), आचार्य (धर्मशास्त्र) पी.एच.डी., डी.लिट्	धर्मशास्त्र
१८.	डा. एन.यू. झा	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (व्याकरण), आचार्य (साहित्य), साहित्यरत्न, एम.ए. (संस्कृत), पी.एच.डी., डी.लिट्	साहित्य
१९.	डा. एम.एम. झा	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (व्याकरण), एम.एड., पी.एच.डी.	शिक्षाशास्त्र
२०.	डा. आई भट्ट	लेक्चरर	वेदान्त उत्तम, विद्वत् मध्यमा, बी.एड्., पी.एच.डी.	ज्योतिष
२१.	डा. आर.के. वर्मा	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (वेदान्त), पी.एच.डी.	वेदान्त
२२.	डा. श्रीमती सत्यम कुमारी	सीनियर लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), आचार्य (एन.एन.) एम.ए. (राजनीतिविज्ञान), पी.एच.डी.	नव्य
२३.	डा. श्रीमती ए. अग्रवाल	लेक्चरर	एम.ए. (तर्कशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र) आचार्य (साहित्यदर्शन), एम.एड., एम.फिल., पी.एच.डी.	शिक्षाशास्त्र
२४.	डा. एस.एम. रथ	लेक्चरर	आचार्य (साहित्य), विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)	साहित्य
२५.	श्रीमती जी.पी. दास	लेक्चरर	आचार्य (साहित्य.....), आचार्य (साहित्यदर्शन)	साहित्य योगा
२६.	डा. श्रीमती ए. परुस्ती	लेक्चरर	आचार्य (व्याकरण), बी.एड., पी.एच.डी.	व्याकरण
२७.	डा. पी.के. महापात्र	लेक्चरर	आचार्य (फलितज्योतिष), विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)	ज्योतिष
२८.	डा. एस.एन. झा	लेक्चरर	आचार्य (साहित्य), बी.एड., पी.एच.डी.	साहित्य
२९.	डा. श्रीमती एस. मिश्र	लेक्चरर	आचार्य (फलितज्योतिष और सिद्धान्तज्योतिष), नेट, पी.एच.डी.	ज्योतिष
३०.	डा. एस.एन. मिश्र	लेक्चरर	आचार्य (नव्य), शंकरवेदान्त, (साहित्य), पी.एच.डी., नेट	नव्य
३१.	डा. श्रीमती एन. पानीग्रही	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., नेट, पी.एच.डी.	शिक्षाशास्त्र
३२.	डा. के.एस.एस. मुर्ति	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), एम.ए. (व्याकरण), विद्या, एम.ए. (तेलगू), प्रवीण, एम.एड., पी.एच.डी., डिप्लोमा (संस्कृत)	शिक्षाशास्त्र
३३.	डा. बी.बी. त्रिपाठी	लेक्चरर	आचार्य (व्याकरण), आचार्य (साहित्य), पी.एच.डी.	व्याकरण

३४.	डा. के.ई. मधुसूदन	लेक्चरर	आचार्य (नव्य), पी.एच.डी.	नव्य
३५.	श्री वी.पी. कछवाहा	लेक्चरर	आचार्य (तुलनात्मकदर्शन), एम.ए. (संस्कृत), एम.ए. (हिन्दी), एम.एड., नेट	शिक्षाशास्त्र
३६.	डा. एस.जी. पाण्डेय	लेक्चरर	आचार्य (अद्वैतवेदान्त), शिक्षाचार्य, (एम.एड.), एम.ए. (हिन्दी), विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)	शिक्षाशास्त्र
३७.	डा. श्रीमती के. महापात्र	जुनीयर लेक्चरर सीनियर ग्रेड	एम.ए. (हिन्दी), एम.ए. (संस्कृत), पी.एच.डी.	हिन्दी
३८.	डा. एन.सी. साहू	जुनीयर लेक्चरर सीनियर ग्रेड	एम.ए. (उड़िया), बी.एड., पी.एच.डी.	उड़िया
३९.	डा. पी. चौधरी महापात्र	जुनीयर लेक्चरर सीनियर ग्रेड	एम.ए. (इतिहास), एम.ए. (संस्कृत), बी.एड.	इतिहास
४०.	श्री टी. मिश्र	पी.टी. लेक्चरर	आचार्य (साहित्य), आचार्य (पुराणेतिहास), आचर्य (सिद्धान्त...)	शंखयोग

अंशकालिक प्रध्यापक :

१.	श्री सन्त कुमार, रथ	
२.	डा. विश्वरंजन पति	शिक्षाशास्त्र
३.	श्री एस.के. सत्यपति	ज्योतिष
		कम्प्यूटर विज्ञान

संस्थान जिन विभिन्न विषयों में पूर्णकालिक अध्यापकों का प्रबन्ध न कर सका, उनमें अंशकालिक प्राध्यापक भी रखे गए। वर्ष में परिसर के शैक्षिक स्टाफ ने विविध सम्मेलनों व संगोष्ठियों में भाग ग्रहण किया।

११.३ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री रणवीर परिसर, जम्मू तवी, जम्मू व कश्मीर

परिसर विवरण

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व महाराज श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का अधिग्रहण १अप्रैल, १९७१ को किया गया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया। प्रथमा से आचार्य तक के छात्र यहाँ साहित्य, न्याय, व्याकरण, फलित ज्योतिष और सर्वदर्शन का अध्ययन करते हैं। संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए १९७९ में शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया। शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषयों का पढ़ाया जाता है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षण सुविधा है। परिसर को कश्मीर शैव दर्शन परियोजना का उत्तरदायित्व सौंपा गया है जिसका उद्देश्य कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश का संकलन और शारदा लिपि में उपलब्ध पाण्डुलिपियों का सम्पादन करना है।

विद्यापीठ किराये के भवन में अपना कार्य कर रहा है। जम्मू व कश्मीर की राज्य सरकार ने विद्यापीठ के भवन–निर्माण हेतु भलवाल में भूमि आबंटित की है और भवन–निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

छात्र विवरण

२. **वर्ष २००२–२००३ में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या निम्नलिखित है :–**

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्राक्शास्त्री-I	३७
२.	प्राक्शास्त्री-II	२७
३.	शास्त्री-I	७५
४.	शास्त्री-II	६३
५.	शास्त्री-III	५२
६.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)	६७
७.	ज्योतिषाचार्य-I	७
८.	ज्योतिषाचार्य-II	१३
९.	साहित्याचार्य-I	१०
१०.	साहित्याचार्य-II	४
११.	व्याकरणाचार्य-I	२
१२.	व्याकरणाचार्य-II	१

१३.	पूर्वमध्यमा-II	१७
१४.	प्रथमा-II	४
१५.	प्रथमा-III	४
	कुल	३८३

३. वर्ष में छात्रवृत्तियाँ प्राप्त करने वाले छात्रों की कक्षावार संख्या :–

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्राक्शास्त्री-I	३०
२.	प्राक्शास्त्री-II	२१
३.	शास्त्री-I	५०
४.	शास्त्री-II	५०
५.	शास्त्री-III	५०
६.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)	२९
७.	ज्योतिषाचार्य-I	६
८.	ज्योतिषाचार्य-II	१२
९.	साहित्याचार्य-I	७
१०.	साहित्याचार्य-II	३
११.	व्याकरणाचार्य-I	१
१२.	व्याकरणाचार्य-II	१
१३.	पूर्वमध्यमा-II	२
१४.	प्रथमा-II	४
१५.	प्रथमा-III	४
	कुल	२७०

४. कक्षावार परिणाम की प्रतिशतता :–

क्रम सं.	कक्षा	प्रतिशतता (%)
१.	पूर्वमध्यमा-II	७५
२.	प्रथमा	१००
३.	प्राक्शास्त्री-I	७३.९१

४.	प्राक्शास्त्री-II	२२.५८
	उत्तरमध्यमा	३१
५.	शास्त्री-I	९२.४२
६.	शास्त्री-II	९१.५४
७.	शास्त्री-III	७६.९२
८.	बी.एड. (शिक्षाशास्त्री)	९२.०६
९.	ज्योतिषाचार्य-I	५५.५५
१०.	ज्योतिषाचार्य-II	१००
११.	साहित्याचार्य-I	१००
१२.	साहित्याचार्य-II	१००
१३.	व्याकरणाचार्य-I	१००
१४.	व्याकरणाचार्य-II	७५

५.	वर्ष में छात्रावास सुविधाएँ पाने वाले छात्रों की संख्या	:	४०
६.	वर्ष २००२–२००३ में प्रवेश पाने वाले अ.जा./ अ.ज.जा. छात्रों की संख्या	:	अ.जा.– १३, अ.ज.जा.–६, शा.वि.–२
७.	वर्ष २००२–२००३ में प्रवेश पाने वाली छात्राओं की संख्या	:	३४
८.	विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) हेतु पंजीकृत छात्रों की संख्या	:	०१

परिसर के शिक्षकों का विवरण

	नाम	पद	योग्यता	विशेषतता
१.	डा. जी. गगन्ना	प्राचार्य	दर्शन, आचार्य, पी.एच.डी., और डी.लिट्	वेदान्त
२.	डा. पी.सी. शास्त्री	रीडर	साहित्याचार्य, विद्यावारिधि	साहित्य
३.	डा. के.के. शास्त्री	रीडर	व्याकरणाचार्य, विद्यावारिधि	साहित्य
४.	डा. के.पी. शर्मा	रीडर	व्याकरणाचार्य, एम.ए., पी.एच.डी.	व्याकरण
५.	डा. वाई.पी. खजूरिया	रीडर	व्याकरणाचार्य, पी.एच.डी.	व्याकरण
६.	डा. आई.एम. दास	रीडर	ज्योतिषाचार्य, पी.एच.डी.	ज्योतिष
७.	डा. वाशुदेव शर्मा	रीडर	ज्योतिषाचार्य, पी.एच.डी.	ज्योतिष
८.	डा. वी.एम. शास्त्री	रीडर	साहित्याचार्य, पी.एच.डी.	साहित्य
९.	डा. आर.सी. शास्त्री	रीडर	साहित्याचार्य, एम.ए., पी.एच.डी.	साहित्य

१०.	डा. बी.एन. झा	रीडर	दर्शनाचार्य, व्याकरणाचार्य, आचार्य, पी.एच.डी.	दर्शन
११.	श्री के. रघुनाथ	रीडर	आचार्य (दर्शन)	दर्शन
१२.	श्री एस.सी. शर्मा	रीडर	एम.ए. (अंग्रेजी)	अंग्रेजी
१३.	डा. जी.पी. शर्मा	रीडर	बी.पी.ई., एम.पी.ई.; एम.फिल्, पी.एच.डी.	शारीरिक शिक्षा
१४.	डा. बी.बी. मिश्र	सीनियर लेक्चरर	ज्योतिषाचार्य, पी.एच.डी.	ज्योतिष
१५.	डा. बोध कुमार झा	सीनियर लेक्चरर	व्याकरणाचार्य, पी.एच.डी.	व्याकरण
१६.	डा. रामजीवन मिश्र	लेक्चरर	ज्योतिषाचार्य, पी.एच.डी., डी.लिट्	ज्योतिष
१७.	डा. विनोद कुमार गुप्त	जुनीयर लेक्चरर	एम.ए.; पी.एच.डी.	हिन्दी
१८.	श्रीमती रेनु मलहोत्रा	जुनीयर लेक्चरर	एम.ए., राजनीतिविज्ञान	राजनीतिविज्ञान
१९.	श्री के.के. मलहोत्रा	पी.जी.टी.	एम.ए. (अंग्रेजी)	अंग्रेजी
२०.	डा. एस.के. मिश्र	पी.जी.टी	एम.ए. (संस्कृत), पी.एच.डी.	साहित्य
२१.	डा. सी.एम. रीना	पी.जी.टी.	आचार्य (ज्योतिष)	ज्योतिष
२२.	डा. राम जी पाण्डेय	पी.जी.टी.	आचार्य (व्याकरण), विद्यावारिधि	व्याकरण
२३.	श्रीमती निर्मल कुमारी	टी.जी.टी.	एम.ए. (हिन्दी और डोगली)	डोगली
२४.	डा. राज कुमार मलहोत्रा	टी.जी.टी.	एम.ए. (अंग्रेजी)	अंग्रेजी
२५.	डा. सुरेन्द्र कुमार शर्मा	टी.जी.टी.	साहित्य (आचार्य), पी.एच.डी.	साहित्य
२६.	डा. एस.एन. शर्मा	टी.जी.टी.	आचार्य (व्याकरण और साहित्य), एम.एड., पी.एच.डी.	व्याकरण
२७.	श्रीमती विजय शर्मा	टी.जी.टी.	एम.ए. (हिन्दी और डोलगी)	हिन्दी
२८.	डा. राम दास शर्मा	टी.जी.टी.	आचार्य (ज्योतिष)	ज्योतिष

अंशाकालिक प्रध्यापक :

१.	श्री राम लाल शर्मा	लेक्चरर	एम.ए. (दर्शन)	दर्शन
२.	श्रीमती मंजु शर्मा	लेक्चरर	एम.ए. (इतिहास); पी.एच.डी.	इतिहास
३.	सुधात्मा जैन	लेक्चरर	आचार्य, बी.एड., एम.एड., नेट	ट्रेनिंग
४.	श्री सुरेश चन्द्र	लेक्चरर	आचार्य, बी.ई., एम.ई., पी.एच.डी., उपाध्याय	ट्रेनिंग

शिक्षा–शास्त्र विभाग :

१.	डा. बी.एन. चौधरी	रीडर	एम.ए., एम.एड	ट्रेनिंग
२.	डा. एम. चन्द्रशेखर	रीडर	आचार्य, एम.एड., पी.एच.डी.	ट्रेनिंग
३.	डा. (श्रीमती) चौधरी	रीडर	आचार्य, एम.एड.	ट्रेनिंग
४.	डा. बी. भारती	लेक्चरर	आचार्य (ज्योतिष), शिक्षा, आचार्य (बौद्धदर्शन), पी.एच.डी.	ट्रेनिंग

५.	डा. जे.आर. शर्मा	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., पी.एच.डी.	ट्रेनिंग
६.	डा. नागेन्द्र झा	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., पी.एच.डी.	ट्रेनिंग
७.	डा. बी. पात्र	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत और हिन्दी), एम.फिल्, पी.एच.डी., एम.एड.	ट्रेनिंग

शोध सहायक :

१.	डा. रमेश चन्द्र होता	शोध सहायक	आचार्य, बी.एड., विद्यावारिधि	शोध
२.	डा. मधु कुमारी मारवाह	शोध सहायक	एम.ए. (संस्कृत), एम.ए. (हिन्दी), पी.एच.डी.	शोध
३.	डा. सुरेश कुमार पाण्डेय	शोध सहायक	व्याकरणाचार्य, बी.एड., पी.एच.डी.	शोध

परिसर जिन विभिन्न विषयों में पूर्णकालिक अध्यापकों का प्रबन्ध न कर सका, उनमें अंशकालिक प्राध्यापक भी रखे गए। इस अवधि में परिसर के शैक्षणिक स्टाफ़ ने विविध सम्मेलनों व गोष्ठियों में भाग ग्रहण किया।

११.४ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरला)
परिसर विवरण

गुरुवायूर परिसर जो संस्थान द्वारा अधिग्रहण से पूर्व साहित्य दीपिका विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा संचालित दस परिसरों में एक है। यह परिसर त्रिचूर के पास पुरानाटुकरा हरित क्षेत्र में स्थित है। जो त्रिचूर रेलवे स्टेशन से ११ किलोमीटर की दूरी पर गुरुवायूर मन्दिर को जाने वाले मार्ग में है। लोक निर्माण विभाग द्वारा एक सुन्दर भवन का निर्माण जिसकी लागत २.२० करोड़ रुपया है किया गया है। मंत्रालय की स्वीकृति से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने परिसर के लिए द्वितीय चरण के भवन निर्माण्ध जिसमें लड़के तथा लडकियों के लिए छात्रावास, कर्मचारी आवास, पुस्तकालय भवन है जिसकी लागत का कार्य ६.३० करोड़ है का कार्य चल रहा है।

इस परिसर में अनुसंधान जिसके उपरान्त विद्यावारिधी की उपाधि मिलती है किया जाता है। इसके अतिरिक्त साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त तथा न्याय के आचार्य तथा शास्त्री स्तर तक का अध्ययन किया जाता है। परिसर में शिक्षा शास्त्री का भी अध्ययन होता है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा भी उपलब्ध है।

छात्र विवरण

२. **वर्ष २००२–२००३ में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :–**

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्राक्शास्त्री-I	५९
२.	प्राक्शास्त्री-II	५७
३.	शास्त्री-I	६२
४.	शास्त्री-II	३०
५.	शास्त्री-III	२९
६.	आचार्य-I (साहित्य, व्याकरण और वेदान्त)	२३
७.	आचार्य-II (साहित्य, व्याकरण और वेदान्त)	२४
८.	शिक्षाशास्त्री	५९
९.	विद्यावारिधी	०४
	कुल	३४७

३. २००२–२००३ में कक्षावार छात्रवृत्ति का विवरण :–

क्रम सं.	कक्षा	छात्र विवरण
१.	प्राक्शास्त्री-I	३०
२.	प्राक्शास्त्री-II	३०
३.	शास्त्री-I	५२
४.	शास्त्री-II	२९
५.	शास्त्री-III	२२
६.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) (साहित्य, व्याकरण और वेदान्त)	३०
७.	आचार्य-I (साहित्य, व्याकरण और वेदान्त)	१७
८.	आचार्य-II (साहित्य, व्याकरण और वेदान्त)	२०
९.	विद्यावारिधी	०४
	कुल	२३४

४. **छात्रावास सुविधा प्राप्त छात्रों की संख्या** : १५

५. **वर्ष में अ.जा./अ.ज.जा. विद्यार्थियों के प्रवेश** : अ.जा. – ४२, अ.ज.जा. – ६

६. **वार्षिक परीक्षा का परिणाम :–**

क्र.सं.	कक्षा	प्रतिशत
१.	प्राक्शास्त्री-I	९८%
२.	प्राक्शास्त्री-II	१००%
३.	शास्त्री-I	९७%
४.	शास्त्री-II	१००%
५.	शास्त्री-III	९६%
६.	आचार्य-I	१००%
७.	शिक्षाशास्त्री	१००%

परिसर के चार शोध छात्रों को विद्यावारिधी की उपाधि दी गयी।

परिसर के शिक्षकों का विवरण

	नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
१.	डा. एन.आर. कन्नन	प्राचार्य	वेद विद्वत् सिरोमणि (न्याय, मिमांसा वेदान्त) विद्यावारिधी, डी.लीट.	न्याय
२.	डा. के.टी. माधवन	रीडर	एम.ए. (साहित्य), पी.–एच.डी.	साहित्य
३.	डा. एस. राधा	रीडर	एम.ए., आचार्य (साहित्य), आचार्य (पी.इतिहास), पी.–एच.डी.	साहित्य
४.	डा. एम.के. एन्ड्रूज	रीडर	आचार्य (नव्य व्याकरण) विद्यावारिधी	व्याकरण
५.	डा.पी.जी. श्रीनिवास	रीडर	एम.ए. (नव्य व्याकरण) पी.–एच.डी.	व्याकरण
६.	डा. वी.के. शैलेजा	रीडर	एम.ए. (व्याकरण), पी.–एच.डी.	व्याकरण
७.	डा. सी.एल. सिसिले	रीडर	व्याकरणाचार्य, विद्यावारिधी	व्याकरण
८.	डा. के.वी. सबभारायुडु	रीडर	आचार्य (आधुनिक वेदान्त) एम.ए. (संस्कृत), पी.–एच.डी.	वेदान्त
९.	श्री के.एल. सबस्टेन	रीडर	एम.ए. (अंग्रेजी)	अंग्रेजी
१०.	डा. पी.एन. शास्त्री	रीडर	वेदान्तुतामा, एम.ए. (संस्कृत) एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., पी.–एच.डी.	शैक्षणिक
११.	डा. च. एल.एन. शर्मा	रीडर	विद्याप्रवीण (साहित्य और व्याकरण) पी.–एच.डी., एम.ए., एम.एड.	शैक्षणिक
१२.	डा. एम.ए. बाबू	रीडर	एम.ए., पी.–एच.डी.	शैक्षणिक
१३.	डा. ई.एम. राजन	सीनियर लेक्चरर	साहित्याचार्य, विद्यावारिधि	साहित्य
१४.	डा. पी. इन्द्रिरा	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), विद्यावारिधि	साहित्य
१५.	डा. प्रतिभा आर.	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (आधुनिक वेदान्त) पी.–एच.डी.	वेदान्त
१६.	श्री एस.एस. शर्मा	लेक्चरर	एम.ए. (वेदान्त) बी.एड., एम.फील.	वेदान्त
१७.	डा. रनजीत कुमारी वर्मा	लेक्चरर	आचार्य (आधुनिक वेदान्त) पी.–एच.डी.	वेदान्त

१८.	डा. जे. भानूमुर्ति	सीनियर लेक्चरर	विद्याप्रवीण, बी.एड., एम.एड., पी.–एच.डी.	शैक्षणिक
१९.	डा. के.आर. शैनी	लेक्चरर	एम.ए., एम.एड., पी.–एच.डी.	शैक्षणिक
२०.	डा. के. कदाम्बीनि	लेक्चरर	आचार्य (नव्य व्याकरण) एम.ए., एम.एड.	शैक्षणिक
२१.	डा. सी. सान्था	जूनियर लेक्चरर	साहित्याचार्य, विद्यावारिधी	साहित्य
२२.	डा. पी.वी. श्रीदेवी	जूनियर लेक्चरर	साहित्याचार्य, विद्यावारिधी	साहित्य
२३.	डा. के. सरलादेवी	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (व्याकरण), पी.–एच.डी.	व्याकरण
२४.	डा. पी. उनीथान	जूनियर लेक्चरर	व्याकरणाचार्य, विद्यावारिधी	व्याकरण
२५.	श्रीमति के.यू. जया	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (इतिहास)	इतिहास
२६.	डा. वी.के. सुवेदा	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (हिन्दी)	हिन्दी
२७.	डा. के.ए. जैसी	जूनियर लेक्चरर	एम.ए., बी.एड.	मल्यालम
२८.	डा. ए.एम.सी.टी. नामबुदिरि	जूनियर लेक्चरर	साहित्याचार्य	साहित्य

परिसर में जहां पूर्णकालिक शिक्षकों की व्यवस्था नहीं हो उन विषयों में अंशकालिक शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है। रिपोर्ट वर्ष के दौरान परिसर के शिक्षकों ने कई गोष्टियों एवं सम्मेलनों में भी भाग लिया।

११.५ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर (राजस्थान)
परिसर विवरण

यह परिसर राजस्थान संस्कृत अकादमी की संस्तुतियों के आधार पर राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा तत्कालीन शिक्षामंत्री, भारत सरकार को किये गये अनुरोध के फलस्वरूप मई १९८३ में स्थापित हुआ। इस परिसर के पास जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा ७.२७ एकड़ भूमि त्रिवेणी नगर सी स्कीम एरिया में उपलब्ध कराई गयी है। परिसर जयपुर रेलवे स्टेशन से १२ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। परिसर का मुख्य भवन का निर्माण २.९८ करोड़ की लागत से लगभग पूर्ण है। परिसर में द्वितीय चरण का निर्माण कार्य जिसमें छात्र–छात्राओं का छात्रावास, कर्मचारी निवास आदि है और जिसकी लागत २.९३ करोड़ है स्वीकृत किये जा चुके है।

परिसर में शोध कार्य होता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधी की उपाधि दी जाती है इसके अतिरिक्त साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, दर्शन में आचार्य एवं शास्त्री स्तर का अध्ययन होता है और शिक्षा शास्त्री, शास्त्री के स्तर का भी अध्ययन परिसर में होता है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा भी उपलब्ध है।

छात्र विवरण

२. **वर्ष २००२–२००३ में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :–**

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्राक्शास्त्री-I	३१
२.	प्राक्शास्त्री-II	२२
३.	शास्त्री-I	७८
४.	शास्त्री-II	५१
५.	शास्त्री-III	५५
६.	आचार्य-I	८३
७.	आचार्य-II	२९
८.	शिक्षाशास्त्री	६०
	कुल	४०९

३. **२००२–२००३ में कक्षावार छात्रवृत्ति का विवरण :–**

क्रम सं.	कक्षा	छात्र विवरण
१.	प्राक्शास्त्री-I	३०
२.	प्राक्शास्त्री-II	१६

३.	शास्त्री-I	६०
४.	शास्त्री-II	४६
५.	शास्त्री-III	५२
६.	आचार्य-I	५१
७.	आचार्य-II	१९
८.	शिक्षाशास्त्री	३०
	कुल	**३०४**

४. वार्षिक परीक्षा का परिणाम :–

क्र.सं.	कक्षा	प्रतिशत (%)
१.	प्राक्शास्त्री-I	९६.६६
२.	प्राक्शास्त्री-II	९५.४५
३.	शास्त्री-I	८०
४.	शास्त्री-II	१००
५.	शास्त्री-III	९६.३६
६.	आचार्य-I	७२.२८
७.	आचार्य-I	८६.२०
७.	शिक्षाशास्त्री	९८.३३

प्रतियोगिता / प्रमाण पत्र:–

क्र.सं.	छात्र का नाम	प्रतियोगिता	प्रमाणपत्र
१.	कुमारी अंजना पाण्डे	अन्ताक्षरी	प्रथम, स्वर्ण
२.	श्री नरोत्तम शर्मा	अन्ताक्षरी	द्वितीय, रजत
३.	श्री मुकेश कुमार शर्मा	श्लाका	द्वितीय, रजत
४.	श्री फूल सिंह जाट	वेदान्त	तृतीय, कास्य

परिसर के शिक्षकों का विवरण

	नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
१.	डा. आर.के. शुक्ल	प्राचार्य	आचार्य (नव्य और प्राच्य व्याकरण) पी.एच.डी.	व्याकरण

२.	डा. सतिश कैलावट	रीडर	एम.ए. (संस्कृत, इतिहास और भौतिक विज्ञान) पी.एच.डी.	राजनीतिशास्त्र
३.	डा. दामोदर शास्त्री	रीडर	एम.ए. (संस्कृत, हिन्दी और प्राकृत) आचार्य (व्याकरण, सर्वदर्शन और जैनदर्शन) पी.एच.डी.	जैनदर्शन
४.	डा. जगतनारायण पाण्डेय	रीडर	आचार्य (साहित्य) एम.ए. (संस्कृत) पी.एच.डी.	साहित्य
५.	डा. कमलनायन शर्मा	रीडर	आचार्य (मिमांसा, वेदान्त और धर्मशास्त्र), एम.ए., पी.एच.डी.	धर्मशास्त्र
६.	डा. के.सी. चतुर्वेदी	रीडर	आचार्य (साहित्य और व्याकरण) एम.ए., पी.एच.डी.	साहित्य
७.	डा. वाई.एस.रमेश	रीडर	आचार्य (साहित्य), शिक्षा आचार्य विद्यावारिधी	ट्रेनिंग
८.	डा. श्रीमति भागवती सुदेश	रीडर	आचार्य (धर्मशास्त्र), एम.एड., पी.एच.डी.	धर्मशास्त्र
९.	डा. शिवकान्त झा	रीडर	आचार्य (नव्य व्याकरण) बी.एड., पी.एच.डी.	व्याकरण
१०.	डा. टी.के. शर्मा	रीडर	आचार्य (साहित्य), एम.ए. (दर्शनशास्त्र), पी.एच.डी. (दर्शनशास्त्र), एम.एड.	ट्रेनिंग
११.	डा. श्रीयंश कुमार सिंघै	रीडर	आचार्य (जैनदर्शन) एम.ए. (संस्कृत) पी.एच.डी.	जैनदर्शन
१२.	डा. सुदेश कुमार शर्मा	रीडर	आचार्य (फलित, ज्योतिष और सिद्धान्त ज्योतिष), विद्यावारिधी, एम.एड.	ट्रेनिंग
१३.	डा. श्रीमति सन्तोष मित्तल	रीडर	एम.ए. (संस्कृत और हिन्दी) एम.एड., पी.एच.डी.	ट्रेनिंग
१४.	डा. फतेह सिंह	रीडर	एम.ए. (संस्कृत शिक्षाशास्त्री) विद्यावारिधी, शिक्षा में पी.एच.डी.	ट्रेनिंग
१५.	डा. सोहन लाल पाण्डेय	रीडर	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड., एम.एड., पी.एच.डी.	ट्रेनिंग

१६.	डा. के.पी. केशवान	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), पी.एच.डी., एम.ए. (मल्यालम)	साहित्य
१७.	डा. रूपनारायण त्रिपाठी	रीडर	आचार्य (साहित्य), एम.ए. (संस्कृत), बी.एड., पी.एच.डी.	साहित्य
१८.	श्री ओमप्रकाश वड़ाना	सीनियर ग्रेड लेक्चरर	एम.ए. (इतिहास), डी.पी.एड., एम.पी.एड., एम.फील.	शारीरिक शिक्षण
१९.	डा. श्रीधर मिश्रा	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (व्याकरण और साहित्य) विद्यावारिधी	व्याकरण
२०.	डा. रामाकान्त पाण्डेय	लेक्चरर	एम.ए., पी.एच.डी.	साहित्य
२१.	श्री बटीलाल मीना	लेक्चरर	एम.ए., एम.एड.	ट्रेनिंग

अंशकालिक व्याख्याता :–

१.	डा. मदन मोहन शर्मा	धर्मशास्त्र
२.	श्री रामकिशोर योती	समाजशास्त्र
३.	श्री राजकुमार मदन	अंग्रेजी
४.	डा. प्रेमप्रकाश भट्ट	हिन्दी
५.	श्री श्याम सुन्दर	ट्रेनिंग
६.	श्री कुलदीप तिवारी	कम्प्यूटर
७.	डा. कैलाश चन्द्र शर्मा	ज्योतिष
८.	श्री शक्तिधर मिश्रा	व्याकरण

परिसर में जहां पूर्णकालिक शिक्षकों की व्यवस्था नहीं है इस वर्ष के दौरान अंशकालिक व्याख्याताओं की व्यवस्था की गयी। वर्ष के दौरान परिसर के शिक्षकों ने कई गोष्टियों एवं सम्मेलनों में भी भाग लिया।

११.६ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)
परिसर विवरण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा यह परिसर जुलाई, १९८३ में स्थापित किया गया। इस परिसर के लिए १० एकड़ भूमि गोमती नगर, विशाल खण्ड में लखनऊ विकास प्राधिकरण से प्राप्त की गयी है। यह रेलवे स्टेशन से १२ कि.मी. की दूरी पर स्थित है। केन्द्रिय लोक निर्माण विभाग द्वारा परिसर में २.७६ करोड़ की लागत से भवन का निर्माण किया गया है। परिसर में द्वितीय चरण के भवन निर्माण जिसमें छात्र–छात्राओं के लिए छात्रावास एवं कर्मचारी आवास सम्मिलित है ३.५० करोड़ स्वीकृत किये जा चुके है। परिसर में शोध कार्य होता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है। इसके साथ–साथ साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष तथा बौद्ध दर्शन में आचार्य एवं शास्त्री स्तर तक का अध्ययन होता है। शिक्षा शास्त्री, शास्त्री स्तर तक की अध्ययन सुलभ है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा भी उपलब्ध है।

छात्र विवरण

१. वर्ष २००२–२००३ में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :–

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्राक्शास्त्री-I	१८
२.	प्राक्शास्त्री-II	०८
३.	शास्त्री-I	३७
४.	शास्त्री-II	२२
५.	शास्त्री-III	१६
६.	आचार्य-I	४३
७.	आचार्य-II	२९
८.	शिक्षाशास्त्री	६०
९.	पी.एच.डी.	०७
	कुल	२४०

२. २००२–२००३ में कक्षावार छात्रवृत्ति का विवरण :–

क्रम सं.	कक्षा	छात्र विवरण
१.	प्राक्शास्त्री-I	१०
२.	प्राक्शास्त्री-II	०४
३.	शास्त्री-I	२३
४.	शास्त्री-II	१३
५.	शास्त्री-III	१३
६.	आचार्य-I	२०

७.	आचार्य-II	१६
८.	शिक्षाशास्त्री	३०
९.	पी.एच.डी.	१२
	कुल	१४१

३. वार्षिक परीक्षा का परिणाम :–

क्र.सं.	कक्षा	प्रतिशत (%)
१.	आचार्य-I	८१.०८
२.	आचार्य-II	६५.६२
३.	शास्त्री-I	९७.३६
४.	शास्त्री-II	१००
५.	शास्त्री-III	८७.०५
६.	प्राक्शास्त्री-I	८४.६१
७.	प्राक्शास्त्री-II	१००
७.	शिक्षाशास्त्री	८८.३३

४. वर्ष में अ.जा./अ.ज.जा. विद्यार्थियों के प्रवेश : अ.जा. – १६, अ.ज.जा. – १२

५. वर्ष में महिला छात्रों की प्रवेश संख्या : ५३

६. वर्ष में विद्यावारिधि छात्रों का नामांकन : १२

७. एक्टेंशन लेक्चरर : १

८. प्रोजेक्ट–ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम (फलित)

परिसर के शिक्षकों का विवरण

	नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
१.	डा. उमा रमण झा	प्राचार्य	एम.ए. (संस्कृत), आचार्य (न्याय) पी.एच.डी., डी.लीट	दर्शन
२.	डा. सुरेन्द्र झा	रीडर	आचार्य (व्याकरण) आचार्य (धर्मशास्त्र) शिक्षाशास्त्र, मेडिकल, विद्यावारिधि	शिक्षाशास्त्र
३.	डा. एस.एन. झा	रीडर	आचार्य (सिद्धान्त ज्योतिष) आचार्य (फलित ज्योतिष) पी.एच.डी., डी.लीट.	ज्योतिष
४.	डा. एल. एन. पाण्डेय	रीडर	व्याकरणाचार्य, बी.एड., एम.एड., पी.एच.डी.	शिक्षाशास्त्र

५.	डा. एस.के. चर्तुवेदी	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), पी.एच.डी.	व्याकरण
६.	डा. सुरेन्द्र पाठक	रीडर	आचार्य (व्याकरण), पी.एच.डी.	व्याकरण
७.	डा. वटोही झा	रीडर	साहित्याचार्य, बी.एड., विद्यावारिधि	साहित्य
८.	डा. वी.के. जैन	रीडर	एम.ए. (पाली), आचार्य, बोद्धदर्शन, पी.एच.डी.	बोद्धदर्शन
९.	डा. एस.के. पाण्डेय	रीडर	एम.ए. (हिन्दी, संस्कृत और भाषा) बी.एड., पी.एच.डी.	हिन्दी
१०.	डा. विजयपाल शास्त्री	रीडर	एम.ए., आचार्य (पी.एच.डी.)	साहित्य
११.	डा. लोकमान्य मिश्र	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., पी.एच.डी.	शिक्षाशास्त्र
१२.	श्री टी. नामग्याल	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., पी.एच.डी.	बोद्धदर्शन
१३.	डा. धिरेन्द्र कुमार झा	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., पी.एच.डी.	व्याकरण
१४.	श्री जय प्रकाश नारायण	लेक्चरर	एम.ए., बी.एड., एम.फील., नेट	साहित्य
१५.	डा. पी.वी.बी. सुव्रहण्म्यम्	लेक्चरर	आचार्य, नेट	साहित्य
१६.	डा. भरत भूषण त्रिपाठी	लेक्चरर	आचार्य (नव्य व्याकरण), आचार्य (साहित्य), पी.एच.डी., नेट, जे.आर.एफ.	व्याकरण
१७.	श्री जगननाथ झा	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (राजनीतिशास्त्र), एल.एल.बी.	राजनीतिशास्त्र
१८.	श्रीमति कविता बेशरिया	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (अंग्रेजी और भाषाविज्ञान), एम.एड.	अंग्रेजी भाषा
१९.	डा. एस.पी. सिंह	जूनियर लेक्चरर	एम.कॉम, बी.एड., पी.एच.डी.	अर्थशास्त्र

अंशकालिक व्याख्याता :–

१.	कुमारी अर्पणा	कम्प्यूटर
२.	श्री राम किशोर वाजपेयी	साहित्य
३.	श्री सुनील नाथ झा	ज्योतिष
४.	डा. आर. बी. दुवे, शोध सहायक	शोध

परिसर में जहां पूर्णकालिक शिक्षकों की व्यवस्था नहीं है इस वर्ष के दौरान अंशकालिक व्याख्याताओं की व्यवस्था की गयी। वर्ष के दौरान परिसर के शिक्षकों ने विभिन्न सेमिनार एवं सम्मेलनों में भी भाग लिया।

११.७ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)
परिसर विवरण

शृंगेरी में मानव संसाधन विकास मंत्री की उपस्थिति में दिनांक ०५.०३.९२ को भारत के राष्ट्रपति के द्वारा इस परिसर का उद्घाटन किया गया। इस परिसर के लिए राज्य सरकार द्वारा १० एकड़ भूमि प्रदान की गयी है। यह परिसर कर्नाटक राज्य के चिकमंगलूर जिले में स्थित है जो बंगलौर से ११० कि.मी., बंगलौर से ४५० कि.मी., उडुपी से ७० कि.मी. और शिमोगा से ६० कि. मी. की दूरी पर स्थित है।

परिसर के लिए केन्द्रिय लोक निर्माण विभाग द्वारा १.६३ करोड़ की लागत से भवन निर्माण किया गया है। द्वितीय चरण के निर्माण जिसमें छात्रावास, कर्मचारी आवास सम्मिलित है रु. ४.१७ करोड़ स्वीकृत किया जा चुका है। परिसर में शोध कार्य जिसके उपरान्त विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है का अध्ययन होता है। इसके अतिरिक्त साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा का अध्ययन आचार्य स्तर का भी अध्ययन सुभ्लभ है। परिसर में शिक्षा शास्त्री का भी अध्ययन होता है। परिसर में कम्प्यूअर की शिक्षा भी उपलब्ध है।

छात्र विवरण

१. वर्ष २००२–२००३ में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :–

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्राक्शास्त्री-I	२८
२.	प्राक्शास्त्री-II	१७
३.	शास्त्री-I	१६
४.	शास्त्री-II	०९
५.	शास्त्री-III	०६
६.	आचार्य-I	०७
७.	आचार्य-II	०३
८.	शिक्षाशास्त्री	६३
	कुल	१४९

२. २००२–२००३ में कक्षावार छात्रवृत्ति का विवरण :–

क्रम सं.	कक्षा	छात्र विवरण
१.	प्राक्शास्त्री-I	२५
२.	प्राक्शास्त्री-II	१७

३.	शास्त्री-I	१५
४.	शास्त्री-II	०९
५.	शास्त्री-III	०६
६.	आचार्य-I	१४
७.	आचार्य-II	०२
८.	शिक्षाशास्त्री	३०
	कुल	११८

३. वर्ष में छात्र–छात्रावास की सुविधा प्राप्त : ४५

४. वर्ष में अ.जा./अ.ज.जा. विद्यार्थियों के प्रवेश : अ.जा. – १२, अ.ज.जा. – १६

५. वर्ष में महिला छात्रों की प्रवेश संख्या : २३

६. वर्ष में विद्यावारिधि के लिए पंजीकृत छात्र : ६

७. अ. स्वर्ण पदक – श्री ए.एस. पद्मनामन (मिमांसा)

व. स्वर्ण पदक – कु. शारदा (साहित्य)

परिसर के शिक्षकों का विवरण

	नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
१.	डा. कमल चन्द्र योगी	प्राचार्य	शास्त्री/बी.ए. (व्याकरण और अंग्रेजी) एम.ए. (साहित्य), भाषाविज्ञान आचार्य (नव्य व्याकरण), पोस्ट एम.ए. (अंग्रेजी और हिन्दी), शिक्षा शास्त्री (बी.एड.), विद्यावारिधि (व्याकरण), कम्प्यूटर विज्ञान में एन.एल.पी.	व्याकरण
२.	डा. ए.पी. सच्चिदानन्द	रीडर	विद्वत्तमा, शिक्षा शास्त्री, एम.एड., विद्यावारिधि	
३.	डा. महावलेश्वर पी. भट्ट	रीडर	विद्वत्तमा (एम.ए.), विद्यावारिधि	अद्वैत वेदान्त
४.	डा. सुर्वे वी. भट्ट	सीनियर लेक्चरर	विद्वत्तमा (मिमांसा, नव्य और धर्मशास्त्र), एम.ए. (संस्कृत), विद्यावारिधि	मिमांसा
५.	डा. ए.एस. अरवामुदन	सीनियर लेक्चरर	बी.ए./एम.ए. (शिरोमणि), एम.फील., एम.ए. (संस्कृत),	मिमांसा

			यू.जी.सी./जे.आर.एफ., विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)	
६.	डा. देवी प्रसाद द्विवेदी	लेक्चरर	शास्त्री (बी.ए.), शिक्षाशास्त्री आचार्य (एम.ए.), विद्यावारिधि, शिक्षाचार्य (एम.एड.)	शैक्षणिक
७.	डा. रमाकान्त मिश्र	लेक्चरर	शास्त्री (बी.ए.), व्याकरणाचार्य, (एम.ए.), शिक्षाशास्त्री (बी.एड. और एम.एड.) नेट, विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)	शैक्षणिक
८.	डा. ई.पी. श्रीदेवी	लेक्चरर	शास्त्री (बी.ए.), शिक्षाशास्त्री, बी.एड., आचार्य (एम.ए.), विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)	साहित्य
९.	श्री के.के. हरशा कुमार	लेक्चरर	बी.ए. (वेदान्त), एम.ए. (संस्कृत वेदान्त), नेट, शिक्षा शास्त्री (बी.एड.), शिक्षा शास्त्री (एम.एड.)	शैक्षणिक
१०.	डा. रामाचनद्रुला बालाजी	लेक्चरर	नव्य विद्याप्रवीण (एम.ए.), एम.ए. (दर्शन और तेलगू), शिक्षा शास्त्री (बी.एड. और एम.एड.), विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)	शैक्षणिक
११.	श्री चन्द्रकान्त	लेक्चरर	विद्वत्तमा (एम.ए.), एम.ए. (संस्कृत), शिक्षा शास्त्री (बी.एड.), नेट, हिन्दी रत्न, शिक्षाचार्य, विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)	शैक्षणिक
१२.	श्री सी.एस.एन. मुर्ति	लेक्चरर	व्याकरण विद्याप्रवीण, शिक्षाशास्त्र, एम.ए. (संस्कृत और तेलगू), पी.एच.डी.	व्याकरण
१३.	डा. के. भारत भूषण	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत) एम.एड.	शैक्षणिक

परिसर में जहां पूर्णकालिक शिक्षकों की व्यवस्था नहीं है इस वर्ष के दौरान अंशकालिक व्याख्याताओं की व्यवस्था की गयी। वर्ष के दौरान परिसर के शिक्षकों ने विभिन्न सेमिनार एवं सम्मेलनों में भी भाग लिया।

११.८ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गरली परिसर (हिमाचल प्रदेश)
परिसर विवरण

भारतीय स्वाधीनता के स्वर्ण जयन्ती वर्ष में दिनांक १६ सितम्बर, १९९७ को हिमाचल प्रदेश के गरली नामक स्थान में इस परिसर का प्रारम्भ हुआ। इस परिसर का उद्घाटन तत्कालीन शिक्षा राज्य मंत्री भारत सरकार माननीय मुहीराम सौकिया के द्वारा तत्कालीन मुख्य मंत्री हिमाचल प्रदेश की उपस्थिति में किया गया। परिसर अभी किराये के भवन में चल रहा है। परिसर के लिए हिमाचल सरकार से भूमि की मांग की गयी है। परिसर में शोध जिसके उपरानत विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) की उपाधि दी जाति है का अध्ययन किया जाता है। इसके अलावा साहित्य, ज्योतिष एवं व्याकरण का अध्ययन आचार्य एवं शास्त्री स्तर तक होता है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा भी उपलब्ध है।

छात्र विवरण

१. वर्ष २००२–२००३ में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :–

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्राक्शास्त्री-I	६०
२.	प्राक्शास्त्री-II	४८
३.	शास्त्री-I	६६
४.	शास्त्री-II	४४
५.	शास्त्री-III	४६
६.	आचार्य-I	५१
७.	आचार्य-II	३३
	कुल	३४८

२. २००२–२००३ में कक्षावार छात्रवृत्ति का विवरण :–

क्रम सं.	कक्षा	छात्र विवरण
१.	प्राक्शास्त्री-I	६०
२.	प्राक्शास्त्री-II	३७
३.	शास्त्री-I	५८
४.	शास्त्री-II	३६
५.	शास्त्री-III	४३

६.	आचार्य-I	३१
७.	आचार्य-II	१४
	कुल	२७९

३. वार्षिक परीक्षा का परिणाम :–

क्र.सं.	कक्षा	प्रतिशत (%)
१.	प्राक्शास्त्री-I	१००
२.	प्राक्शास्त्री-II	१००
३.	शास्त्री-I	१००
४.	शास्त्री-II	१००
५.	शास्त्री-III	९०
६.	आचार्य-I	१००
७.	आचार्य-II	१००

४. **वर्ष में अ.जा./अ.ज.जा. विद्यार्थियों के प्रवेश** : ०५

५. **वर्ष में महिला छात्रों की प्रवेश संख्या** : १२६

६. **वर्ष में विद्यावारिधि छात्रों का नामांकन** : १३

परिसर के शिक्षकों का विवरण

	नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
१.	डा. हिन्द केसरी	प्राचार्य	आचार्य, पी.एच.डी.	व्याकरण
२.	डा. रामनारायण दास	रीडर	आचार्य, पी.एच.डी.	व्याकरण
३.	डा. रामलखन पाण्डेय	रीडर	आचार्य, पी.एच.डी.	साहित्य
४.	डा. हरीनारायण तिवारी	रीडर	आचार्य, पी.एच.डी., डी.लिट.	व्याकरण
५.	डा. एम.एम. पाठक	रीडर	आचार्य, पी.एच.डी.	ज्योतिष
६.	डा. रामकुमार शर्मा	रीडर	आचार्य, पी.एच.डी.	साहित्य
७.	डा. हंसधर झा	लेक्चरर	आचार्य, पी.एच.डी.	ज्योतिष
८.	डा. अशोक चन्द्र गौर	लेक्चरर	आचार्य, पी.एच.डी.	व्याकरण
९.	श्री किशोर कुमार दलाई	लेक्चरर	आचार्य, नेट	साहित्य

परिसर में जहां पूर्णकालिक शिक्षकों की व्यवस्था नहीं है इस वर्ष के दौरान अंशकालिक व्याख्याताओं की व्यवस्था की गयी। वर्ष के दौरान परिसर के शिक्षकों ने विभिन्न सेमिनार एवं सम्मेलनों में भी भाग लिया।

११.९ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर (म. प्र.)
परिसर विवरण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने सन् २००१–२००२ में भोपाल में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। राज्य सरकार द्वारा इस परिसर के लिए बरकाटुला विश्वविद्यालयके पास १० एकड़ भूमि आवंटित की है। इस परिसर पर आवंटित भूमि पर चार दिवारी केन्द्रिय परिसर किराये के भवनों में चल रहा है। परिसर में शैक्षणिक गतिविधियां २००२–२००३ से प्रारम्भ हुयी। परिसर में शोध जिसके उपरान्त विद्यावारिधि की उपाधि दी जाति है का अध्ययन होता है। इसके अलावा साहित्य, व्याकरण, वेदान्त, ज्योतिष का अध्ययन आचार्य स्तर तक होता है। शिक्षा शास्त्री, शास्त्री तक की शिक्षा भी सुलभ है। परिसर में कम्प्यूटर की शिक्षा उपलब्ध है।

छात्र विवरण

१. वर्ष २००२–२००३ में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :–

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्राक्शास्त्री-I	१७
२.	शास्त्री-I	२१
३.	ज्यातिषाचार्य-I	१०
४.	साहित्याचार्य-I	६
६.	व्याकरणाचार्य-I	१
	कुल	५५

२. २००२–२००३ में कक्षावार छात्रवृत्ति का विवरण :–

क्रम सं.	कक्षा	छात्र विवरण
१.	प्राक्शास्त्री	१५
२.	शास्त्री	१९
३.	आचार्य	१७
	कुल	५१

३. **वार्षिक परीक्षा का परिणाम :–**

क्र.सं.	कक्षा	प्रतिशत (%)
१.	प्राक्शास्त्री	७५
२.	शास्त्री-I	६२

३.	ज्योतिषाचार्य	५०
४.	साहित्याचार्य	९०
५.	व्याकरणाचार्य	१००

४. **छात्रावास प्राप्त छात्रों की संख्या** : ३५

५. **वर्ष में महिला छात्रों की प्रवेश संख्या** : ५

परिसर के शिक्षकों का विवरण

	नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
१.	डा. आजाद मिश्र	ओ.एस.डी.	आचार्य (व्याकरण), साहित्य, एम.ए. (संस्कृत), पी.एच.डी. (भाषाविज्ञान)	व्याकरण
२.	**अंशकालिक शिक्षक :**			
	१. श्री श्याम देव मिश्र		फलित, सिद्धान्ताचार्य, नेट	ज्योतिष
	२. श्री ब्रजेशमनी पाण्डेय		व्याकरणाचार्य, नेट	व्याकरण
	३. श्री अवधेश कुमार पाण्डेय		साहित्याचार्य, नेट	साहित्य
	४. श्री योगेश शुक्ल		एम.ए., एम.फील	साहित्य
	५. श्री एम.पी. शर्मा		एम.ए. (राजनीतिशास्त्र)	राजनीतिशास्त्र
	६. श्रीमति पुजा खुल्लर		एम.ए. (हिन्दी)	हिन्दी
	७. श्रीमति प्रीति दिक्षित		एम.ए. (अंग्रेजी)	अंग्रेजी

परिसर में जिस विषय में पूर्णकालिक शिक्षकों की व्यवस्था नहीं की वहां अंशकालिक शिक्षकों की व्यवस्था की गयी। वर्ष के दौरान परिसर के शिक्षकों ने विभिन्न गोष्ठियों/सम्मेलनों में भी भाग लिया।

११.१० राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
के.जे. सोमया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)
परिसर विवरण

के.जे. सोमया ट्रस्ट के द्वारा उनके परिसर में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ स्थापित करने का प्रस्ताव किया और साथ में एक एकड़ भूमि विद्यापीठ भवन के लिए उपलब्ध करायी। संस्थान द्वारा इसका निरीक्षण किया गया और अनुशंसा की गयी कि मुम्बई विद्यापीठ स्थापित किया गया और अनुशंसा की गयी कि मुम्बई विद्यापीठ स्थापित किया जाय। मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा इस प्रस्ताव को ३१.०३.२००२ को स्वीकृत किया गया। ट्रस्ट के जब तक आवंटित भूमि पर भवन नहीं बन जाता तब तक उनके अपने भवनों में चलाये जाने की स्वीकृति दी। संस्थान ने जमीन का अधिग्रहण कर लिया है। तत्कालीन माननीय मानव संसाधन मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी जी ने परिसर का उद्घाटन दिनांक १६.०५.२००२ को किया। डा. प्रकाश चन्द्र प्रवाचक, को वहां विशेष अधिकारी नियुक्त किया गया है।

१२. वर्ष की प्रमुख गतिविधियां

१२.१ मानित विश्वविद्यालय का उद्घाटन समारोह (०३.०७.२००२)

विश्व विद्यालय अनुदान आयोग की संस्तुति के आधार पर मानव संसाधन मंत्रालय ने अपने पत्रांक सं. ९–२८/२००२–यू.–३ दिनांक ०७.०५.२००२ द्वारा संस्थान को मानित विश्व विद्यालय घोषित किया। विश्व विद्यालय अनुदान आयोग ने भी अपने पत्रांक एफ. ६–३१/२००१ (सी.पी.पी.–१) दिनांक १३–०६–२००२ को संस्थान को मानित विश्व विद्यालय घोषित किया। मानित विश्वविद्यालय का उद्घाटन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी जी ने किया। यह उद्घाटन न्यायमूर्ति श्री रंगनाथ मिश्र, भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश सुप्रीप कोर्ट की अध्यक्षता में हुआ। श्री एन. गोपालास्वामी, सचिव, संस्कृति मंत्रालय एवं उपाध्यक्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सन्त कुमार त्रिपाठी, सचिव, शिक्षा विभाग, डा. अरुण निगवेकर अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, श्री महाराज कृष्ण काव, पूर्व सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्रीमती कुमुद बंसल, अतिरिक्त सचिव, शिक्षा विभाग, डा. हरि गौतम, भूतपूर्व अध्यक्ष, विश्व विद्यालय अनुदान आयोग, विशेष आमंत्रित गणमान्य अतिथि थे। श्रीमती बेला बनर्जी, संयुक्त सचिव (भाषायें) मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रो. के.वी. शर्मा द्वारा लिखी गयी पुस्तक ''साइंस टैक्स्ट इन संस्कृत इन द मैनुसक्रिप्ट रिपोजिटोरिज ऑफ केरला एण्ड तामिलनाडु'' का लोकार्पण माननीय मानव संसाधन मंत्री द्वारा किया गया।

इस अवसर पर संस्थान में प्रदर्शनी कक्ष का भी उद्घाटन किया गया।

माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी प्रदर्शनी कक्ष का उद्घाटन करते हुए श्री एन. गोपालास्वामी, सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार (मध्य) प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (बांये)

माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी मानित विश्वविद्यालय का उद्घाटन करते हुए। बायें से श्री एन. गोपालास्वामी, सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, डा. हमीदउल्ला भट्ट, निदेशक, एन.सी.पी.यू.एल. एवं प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान।

बांये से– उद्घाटन के अवसर पर प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, राष्ट्रिय सस्कृत सस्थान, डा. हरि गौतम, श्रीमती कुमुद बंसल, डा. अरुण निगवेकर, माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी, श्री रंगनाथ मिश्र, श्री एन. गोपालास्वामी, श्री एस. के. काव एवं श्रीमती बेला बनर्जी।

१२.२ योगदर्शन काव्यव्याख्या का विमोचन (१७.०४.२००२)

श्री विद्यासागर वर्मा, भारतीय विदेश सेवा, राजदूत कजाकिस्तान द्वारा लिखी पुस्तक का विमोचन भारत के महामहिम उप राष्ट्रपति श्री कृष्णकान्त जी ने १७.०४.२००२ को किया। संस्थान के स्वर्ण जयन्ती सीरीज में यह ३५वीं पुस्तक है।

माननीय उप राष्ट्रपति स्व. श्री कृष्ण कान्त जी पुस्तक का विमोचन करते हुए श्री एम.एल. सिंघवी संसद सदस्य, श्री विद्या सागर वर्मा एवं प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री निदेशक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।

१२.३ लखनऊ परिसर के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक खण्ड का उद्घाटन (१९.०१.२००३)

लखनऊ परिसर के नव निर्मित भवन का उद्घाटन माननीय प्रधान मंत्री श्री अटल विहारी वाजपेयी जी द्वारा दिनांक १९.०१.२००३ को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर माननीय श्री विष्णु कान्त शास्त्री, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्रीमती मायावती, मुख्य मंत्री, उ. प्र. श्री जगमोहन, मंत्री, भारत सरकार, श्रीमती रीता वर्मा, राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री लाल जी टंडन, मंत्री, उत्तर प्रदेश, सरकार आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्रीमती बेला बनर्जी, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री धर्मवीर सिंह राजपूत, उपनिदेशक (प्रशासन) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं डा. उमारमण झा प्राचार्य लखनऊ परिसर भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

भवनों का विवरण :–

१. शैक्षणिक एवं प्रशासनिक खण्ड रु. २.७६ करोड़।

२. छात्रावास एवं कर्मचारी आवास रु. ३.५२ करोड़।

१२.४ मुम्बई परिसर का उद्घाटन (१६.५.२००२)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) मुम्बई परिसर का उद्घाटन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा: मुरली मनोहर जोशी जी द्वारा विद्या विहार, के. जे. सोमया ट्रस्ट, मुम्बई में दिनांक १६.०५.२००२ को किया। श्री शान्ति लाल, सोमया ट्रस्ट, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, डा. प्रकाश चन्द्र विशेष अधिकारी आदि भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

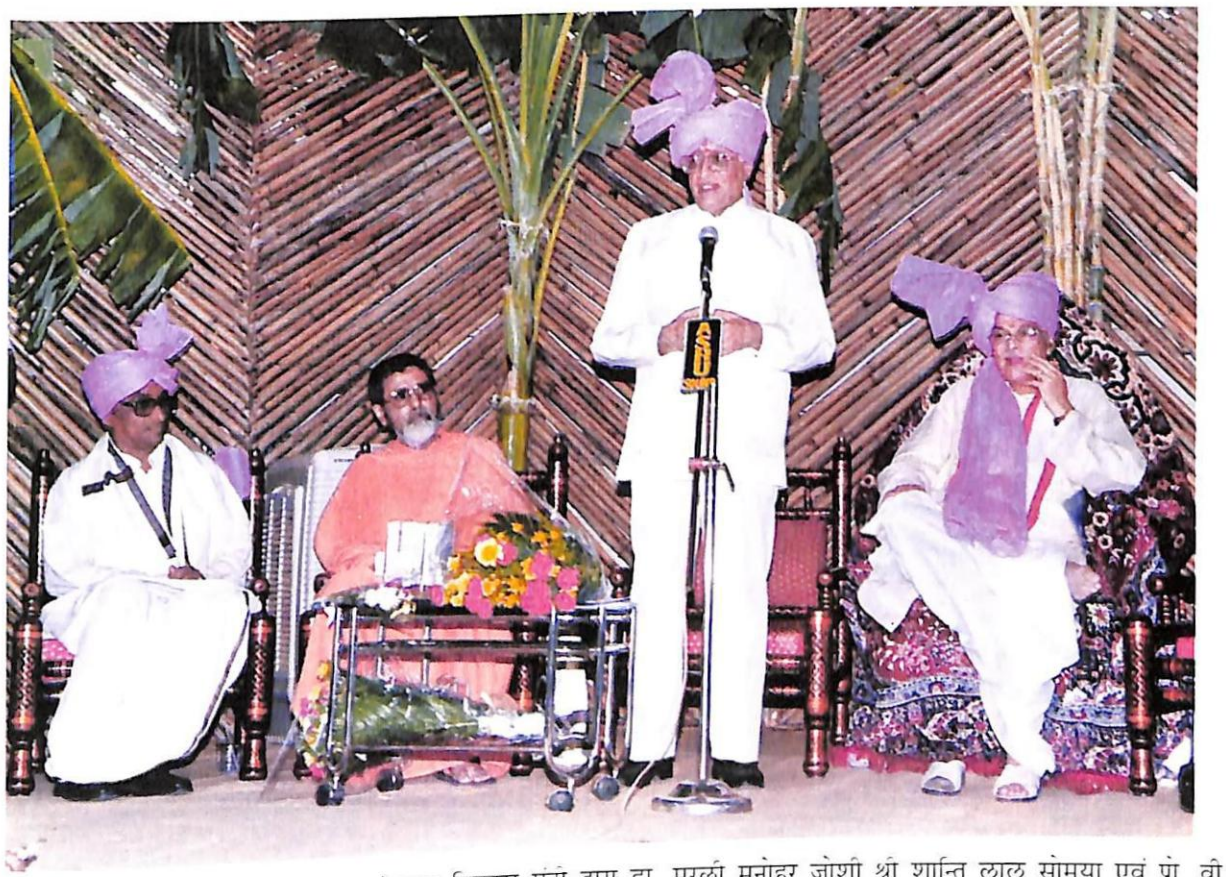

बांये से:— माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा डा. मुरली मनोहर जोशी श्री शान्ति लाल सोमया एवं प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान।

१२.५ भोपाल परिसर का उद्घाटन (१६.०९.२००२)

भोपाल परिसर का उद्घाटन महामहिम डा. भाई महावीर जी, राज्यपाल, मध्य प्रदेश द्वारा सम्पन्न हुआ। प्रो. एच. ए. वच्चनी, कुलपति वरकटुल्लाह विश्व विद्यालय, भोपाल ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर श्री जी. सी. पाण्डेय पूर्व कुलपति, राजस्थान विश्व विद्यालय, प्रो. प्रभुदयाल अग्निहोत्री, पूर्व कुलपति, जवलपुर विश्वविद्यालय आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, डा. आजाद मिश्र, विशेष अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

वांये से:– महामहिम डा. भाई महावीर, प्रो. प्रभुदयाल अग्निहोत्री, प्रो. जी.सी. पाण्डेय,
प्रो. एच.ए. वाच्चनी एवं प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री।

१२.६ शिलान्यास समारोह जयपुर परिसर (२५.०४.०२)

जयपुर परिसर के भवन का शिलान्यास माननीय मानव संसाधन मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी जी द्वारा २५ अप्रैल, २००२ को सम्पन्न हुआ। श्रीमती कमला देवी, संस्कृत मंत्री, राजस्थान सरकार ने समारोह की अध्यक्षता की।

भवनों का विवरण :—

१. शैक्षणिक एवं प्रशासनिक खण्ड २.८९ करोड़।

२. छात्रावास एवं कर्मचारी आवास २.९३ करोड़।

माननीय मानव ससाधन मत्री डा. मुरली मनोहर जोशी, श्रीमती कमला देवी, संस्कृत मंत्री, राजस्थान सरकार के साथ।

१२.७ (I) पुरी परिसर के भवन का आधार शिलान्यास समारोह (१४.१२.२००२)

(ii) संक्षेप रामायण का विमोचन (१४.०२.२००२)

(III) आधुनिक संस्कृत साहित्य संदर्भ–सूचि (१४.१२.२००२)

पुरी परिसर के नये भवन का शिलान्यास माननीय मानव संसाधन मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी जी द्वारा १४ दिसम्बर, २००२ को किया गया। भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं अध्यक्ष केन्द्रीय संस्कृत मण्डल ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री वृज किशोर त्रिपाठी, केन्द्रीय मंत्री स्टील, श्री विश्व भूषण हरि चन्दन, कानून व राजस्व मंत्री, उड़ीसा विशेष अतिथि थे। प्रो. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान व वी.पी. हिमांसु, प्राचार्य इस अवसर पर उपस्थित थे।

भवनों का विवरण :–

१. शैक्षणिक एवं प्रशासनिक खण्ड – ५.६२ करोड़।

२. छात्रावास, लाइब्रेरी भवन एवं कर्मचारी आवास ३.९२ करोड़

बायें से:– दीप प्रज्वलित करते हुये माननीय मानव संसाधन मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी श्री विश्व भूषण हरि चन्दन, न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्र, श्री वृज किशोर त्रिपाठी एवं प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।

इस अवसर पर संक्षेप रामायण, तृतीय दीक्षा जो पंचस्तरीय पाठ्यक्रम की तीसरी पुस्तक का विमोचन माननीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी जी ने विमोचन किया।

प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी जी द्वारा संकलित एवं लिखित आधुनिक संस्कृत साहित्य संदर्भ सूचि नामक पुस्तक का भी विमोचन इस अवसर पर माननीय मानव संसाधन मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी जी द्वारा सम्पन्न हुआ।

१२.८ भोपाल परिसर की भूमि पर चार दिवारी का शिलान्यास (२७.०२.२००३)

भोपाल परिसर के लिए आवंटित भूमि पर चार दिवारी का शिलान्यास समारोह दिनांक २७.०२.२००३ को माननीय मुख्य मंत्री मध्य प्रदेश श्री दिगविजय सिंह द्वारा सम्पन्न हुआ। माननीय श्री इन्द्रजीत कुमार, शिक्षा मन्त्री, मध्य प्रदेश ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री वी.सी. शर्मा, संसद सदस्य श्री एच. ए. वाच्चनी, कुलपति वरकटुउल्लाह विश्व विद्यालय, प्रो. हालिम खान प्रमुख मध्य प्रदेश मदरसा बोर्ड अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं डा. आजाद मिश्र भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

भवन का विवरण :–

चार दिवारी : ३२.०० लाख

बायें से:– माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश श्री दिगविजय सिंह, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान प्रो. हालिम खान।

१२.९ अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता

अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक २७ दिसम्बर से २९ दिसम्बर, २००२ तक लखनउ परिसर में किया गया। इस प्रतियोगिता में १५७ विद्यार्थियों ने भाग लिया जो भारत के १८ राज्यों से आये हुये थे। आठ शास्त्रों के अलावा समस्यापूर्ति और श्लोकान्ताक्षरी तथा श्लाका परीक्षा में भाग लिया।

महामहिम आचार्य विष्णु कान्त शास्त्री, राज्यपाल, उत्तरप्रदेश ने समारोह की अध्यक्षता की। पंडित आद्याचरण झा जी ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. सुरेश चन्द्र पाण्डेय, भूतपूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डा. के.के. चतुर्वेदी, निदेशक कालीदास अकेडमी, उज्जैन आदि गणमान्य व्यक्ति उद्घाटन के समय उपस्थित थे। श्री ओम प्रकाश पाण्डे, शिक्षा मन्त्री, उ. प्र. समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। डा. विद्यानिवास मिश्र, पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ने समापन समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. राजेन्द्र मिश्र , कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि थे। श्री वी. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने गणमान्य अतिथियों का इस अवसर पर स्वागत किया।

बायें से:— प्रो. जे.पी. सिन्हा, डा. उमारमण झा, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, महामहिम विष्णुकान्त शास्त्री, प्रो. आद्याचरण झा एवं प्रो. सुरेश चन्द्र पाण्डेय।

इस अवसर पर प्रतिभागियों को पदक एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये। २००१ की संस्थान की परीक्षाओं में विषय में प्रथम आने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक भी इस अवसर पर प्रदान किये गये।

इस अवसर पर प्रो. अद्याचरण झा, पूर्व सदस्य, संस्कृत बोर्ड, प्रो. नागेन्द्र पाण्डेय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रो. के.के. चतुर्वेदी, निदेशक, कालीदास अकेडमी, उज्जैन, डा. मनी द्रविड़, प्रवक्ता, मद्रास संस्कृत कॉलेज, डा. प्रभाकर शास्त्री, राजस्थान विश्व विद्यालय, श्री जगदम्बा प्रसाद सिन्हा, सेवानिवृत्त, भूतपूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय को निर्णायक के यप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, मणीपुर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। २८ दिसम्बर को डा. डी. प्रभाकर शर्मा, प्राचार्य, संस्कृत कॉलेज, कवूर (आ.प्रदेश) द्वारा ''संस्कृत अष्ठावाधानम'' का प्रदर्शन किया गया।

१२.१० संस्कृत दिवस समारोह

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत दिवस दिनांक २२ अगस्त, २००२ को राष्ट्रीय संग्राहलय, नई दिल्ली में मनाया गया। श्री एन.गोपाला स्वामी, सचिव, संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री उमेश चन्द्र वनर्जी, न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय समारोह के मुख्य अतिथि थे। डा. के.पी.ए. मेनन, पूर्व कुलाधिपति श्री लाल बहादुर शास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, श्री उपमन्यु चटर्जी, निदेशक (भाषायें) मानव संसाधन मंत्रालय आदि गणमान्य उपाध्यक्ष कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय विद्यापीठ ने अतिथियों का स्वागत किया एवं श्री धर्मवीर सिंह राजपूत, उपनिदेशक (प्रशासन) ने सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के छात्रों द्वारा इस अवसर पर ''मृछकटिकम'' संस्कृत ड्रामा का मंचन भी किया गया।

बायें से:— श्री धर्मवीर सिंह राजपूत, श्री उपमन्यु चटर्जी, डा. के.पी. मेनन, श्री उमेश चन्द्र वनर्जी, प्रो. वाचस्पति उपाध्यक्ष, प्रो. रमेश चतुर्वेदी एवं श्री एन.गोपालस्वामी।

१२.११ उपाध्यक्ष श्री एन. गोपाल स्वामी का आगमन और हिन्दी पखवाड़े का पुरस्कार वितरण समारोह (०७.११.२००२)

श्री एन.गोपालस्वामी, गृह सचिव एवं उपाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अध्यक्षता में दिनांक ०७.११.२००२ को संस्थान का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़े के अवसर (१४–३०, सितम्बर, २००२) पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले कर्मचारियों का पुरस्कार वितरित किये गये। श्री शान्ति लाल सोमया, अध्यक्ष के.जे. सोमया ट्रस्ट इस अवसर पर उपस्थित थे।

बांये से:– श्री शान्तिलाल सोमया, श्री एन. गोपालस्वामी एवं प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री

१२.१२ प्रो. करिन प्रिजिडाँ का आगमन

प्रो. करिन प्रिजिडाँ विभागाध्यक्ष इस्टीट्यूट ऑफ इन्डोलाजी, वियना विश्वविद्यालय आष्ट्रिया ने रा.सं.सं. का दिनांक ४ सितम्बर, २००२ को दौरा किया। प्रो. एस.आर. भट्ट, प्रो. एवं अध्यक्ष दर्शन विभाग एवं डा. आर.सी. प्रधान, सदस्य सचिव आई. सी.पी.आर. भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

बांये से:— प्रो. एस.आर. भट्ट, प्रो. करिन प्रिजिडाँ, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, डा. आर.सी. प्रधान एवं संस्थान के अन्य कर्मचारी

१२.१३ श्रीमती भारती देवी एवं प्रो. राम करण शर्मा का आगमन

श्रीमती भारती देवी (भारती ई. बालमस) निदेशक स्कूल ऑफ संस्कृत, आनन्द आश्रम, मोनरे भूयार्क एवं प्रो. राम करण शर्मा, अध्यक्ष, इन्टरनेशरल ससोसियेशन ऑफ संस्कृत स्टडीज एवं संस्थापक निदेशक रा.सं.सं. ने दिनांक १२ सितम्बर, २००२ को संस्थान का दौरा किया। प्रो. देवेन्द्र मिश्र, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

वांये से:— प्रो. देवेन्द्र मिश्र, प्रो. राम करण शर्मा और श्रीमती भारती देवी (भारती ई. बालमस) एवं प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, निदेशक, रा.सं.सं., नई दिल्ली।

१२.१४ आई.सी.पी.आर. के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (२९–०३–२००२)

भारतीय दर्शन, साइंस एवं संस्कृति पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आई.सी.पी.आर. द्वारा दिनांक २९ मार्च, २००३ को इंडिया हेवीटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस अवसर पर माननीय मानव संसाधन मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी जी मुख्य अतिथि थे और प्रो. डी.पी. चट्टोपध्याय, अध्यक्ष, सेन्टर फॉर सिविलाइजेशन ने समारोह की अध्यक्षता की।

१२.१५ दूरस्थ शिक्षा पर कार्यशालायें

वर्ष के दौरान दूरस्थ शिक्षा पर संस्थान में चार कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

(१) ८ अप्रैल से १२ अप्रैल, २००२, नई दिल्ली

(२) १२ फरवरी से २१ फरवरी, २००३, नई दिल्ली

(३) १९ फरवरी से २१ फरवरी, २००३ ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र पर नई दिल्ली

(४) १५ मार्च से २८ मार्च, २००३, बंग्लौर

इन गोष्टियों में द्वितीय एवं तृतीय दीक्षा का निर्माण किया गया।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

साधारण सभा के सदस्यों की सूची

(दिनांक १९.९.२००१ से लागू)

१.	डॉ० मुरली मनोहर जोशी मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार	अध्यक्ष
२.	श्री एन्. गोपालस्वामी महासचिव, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, सरदार पटेल भवन, पटेल चौक, नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
३.	श्रीमती बेला बैनर्जी संयुक्त सचिव, (भाषाएँ) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
४.	श्री वी०के० पीपरसेनीया वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
५.	डॉ० कमलेश दत्त त्रिपाठी ४३९, महामना मालवीय नगर, (नजदीक भारती भवन लायब्रेरी) इलाहबाद-३	सदस्य
६.	श्री श्रीकृष्ण सेमवाल सचिव दिल्ली संस्कृत अकादमी, प्लाट संख्या-५, झण्डेवालान विस्तार करोल बाग, नई दिल्ली	सदस्य
७.	श्री चमूकृष्ण शास्त्री अखिल भारतीय संगठन मन्त्री संस्कृत भारती, माता मन्दिर गली, झण्डेवालान, नई दिल्ली	सदस्य

८. डॉ० गणेश भारद्वाज — सदस्य
रीडर (संस्कृत)
पंजाब विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय आवास,
उना रोड, होशियारपुर (पंजाब)

९. श्री सुभाष विद्यालंकार — सदस्य
डी-६, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली

१०. डॉ० के० वी० रामकृष्णमाचारुलु — सदस्य
व्याकरण व्याख्याता,
राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

११. डॉ० राजेन्द्र मिश्र — सदस्य
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग,
हिमाचल विश्वविद्यालय, (शिमला)

१२. डॉ० वी०आर० पंचमुखी — सदस्य
चेयरमैन, आई०सी०एस०एस०आर०,
पी०ओ०बॉक्स—१०५२८
अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

१३. प्रो० एन० एस० रामानुजा ताताचार्य — सदस्य
पूर्व उपकुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ,
तिरुपति

१४. प्रो० एस० एन० डे — सदस्य
संस्कृत विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
त्रिपुरा

१५. प्रो० एस० शंकरनारायणा — सदस्य
न्याय शिरोमणि अतिथि गृह,
श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय परिसर,
इनाथुर, कॉञ्चीपुरम

१६. डॉ० शरतावधानी डी० प्रभाकर शर्मा — सदस्य
प्राचार्य, संस्कृत कालेज कोवयूर, पश्चिम गोदावरी जिला,
आन्ध्र प्रदेश

१७. डॉ० चंद्रभूषण पांडे — सदस्य
संस्कृत साहित्य अकादमी, पुराना विधान सभा भवन
नया टाउन हाल, सैक्टर-१६, गांधी नगर, गुरजात

१८.	डॉ० (श्रीमती) एस० आर० लीला एन०एम०के०आर०वी० कॉलेज जयानगर, बैंगलोर (गुजरात)	सदस्य
१९.	प्रो० हर्षित भाई जोषी योगी अमृत, २४/४, नूतन भारत सोसाइटी, अल्कापुरी, बड़ौदा	सदस्य
२०.	श्री एन०आर० कुमार मैनेजमैंट सलाहकार, १०, देवाशिक्षामणि रोड, रोयापीठ, चैन्नई-६०००१४	सदस्य
२१.	प्रो० सीतानाथ गोस्वामी रिटायर्ड, संस्कृत विभागाध्यक्ष, जादवपुर विश्वविद्यालय, ६३/१-ए, सीलमपुर लेन, कोलकाता	सदस्य
२२.	डॉ० चंद्रगुप्त वारेनकर संस्कृत भाषा प्रचारिणि सभा संस्कृत भवनम् नं० २, पश्चिमि हाई कोर्ट रोड, नागपुर	सदस्य
२३.	डॉ० एन० आर० कन्नन प्राचार्य, गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरनाटुकरा, जि० त्रिचुर, केरला-६८०५५१	सदस्य
२४.	डॉ० वी०पी० हिमांशु प्राचार्य, श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी-१	सदस्य
२५.	डॉ० हिन्द केसरी प्राचार्य, केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ वी०पी०ओ० गरली, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश-१७७१०८	सदस्य
२६.	प्रो० वेम्पटिकुटुम्ब शास्त्री निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ५६-५७, इन्स्टीट्यूशन एरिया, जनकपुरी नई दिल्ली-११००५८	सदस्य

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

शासी परिषद् के सदस्यों की सूची

(दिनांक १९.९.२००१ से लागू)

१.	डॉ० मुरली मनोहर जोशी मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार	अध्यक्ष
२.	श्री एन्. गोपालास्वामी महासचिव, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, सरदार पटेल भवन, पटेल चौक, नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
३.	श्रीमती बेला बैनर्जी संयुक्त सचिव, (भाषाएँ) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
४.	श्री वी०के० पीपरसेनीया वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
५.	डॉ० कमलेश दत्त त्रिपाठी ४३९, महामना मालवीय नगर, (नजदीक भारती भवन लायब्रेरी) इलाहबाद-३	सदस्य
६.	श्री श्रीकृष्ण सेमवाल सचिव, दिल्ली संस्कृत अकादमी, प्लाट संख्या-५, झण्डेवालान विस्तार करोल बाग, नई दिल्ली	सदस्य
७.	श्री चमूकृष्ण शास्त्री अखिल भारतीय संगठन मन्त्री संस्कृत भारती, माता मन्दिर गली, झण्डेवालान, नई दिल्ली	

८.	डॉ० गणेश भारद्वाज रीडर (संस्कृत) पंजाब विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय आवास, उना रोड, होशियारपुर (पंजाब)	सदस्य
९.	श्री सुभाष विद्यालंकार डी-६, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली	सदस्य
१०.	डॉ० के० वी० रामकृष्णमाचारुलु व्याकरण व्याख्याता, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति	सदस्य
११.	डॉ० राजेन्द्र मिश्र प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, हिमाचल विश्वविद्यालय, (शिमला)	सदस्य
१२.	प्रो० वेम्पटिकुटुम्ब शास्त्री निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ५६-५७, इन्स्टीट्यूशन एरिया, जनकपुरी नई दिल्ली-११००५८	सदस्य

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(१) स्थायी रूप से सम्बद्ध संस्थाएं

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
१.	लक्ष्मी देवी सर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय काली रेखा वैद्यनाथ धाम देवधर (झारखण्ड)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
२.	आर्यकन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर नयी दिल्ली	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तर मध्यमा शास्त्री
३.	श्री समन्तभद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज नई दिल्ली	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तर मध्यमा प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
४.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट आफिस बालूसरी जिला कालीकट, (केरल)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
५.	कोडांगलूर विद्यापीठ पैलेस रोड, पो० कोडांगलूर जिला-त्रिचूर (केरल)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
६.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठम् पो० इडाक्काडम, इजहूकेन, क्वीलोन, केरल केरल	पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री प्राक्शास्त्री आचार्य
७.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के० एम० मुन्शी मार्ग मुम्बई	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य

(२) सम्बद्ध संस्थाएं २०००-२००१

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
असम		
१.	माडर्न एस्ट्रोलोजिकल रिसर्च एसोसिएशन, तिनसुकिया, (असम)	प्रथमा, प्रथम, द्वितीय, तृतीय
बिहार		
२.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत विद्यालय लगमा, ग्राम० पो० रामभद्रपुर वा० लोहनारोड जिला दरभंगा (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा, प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
३.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, रामचन्द्रपुर	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम
४.	डा० रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुज्फ्फरपुर (बिहार)	प्रथमा- प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथमा, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य—प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, प्राचीन व्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन)
५.	लक्ष्मी देवी सर्राफ आदर्श संस्कृत पाठशाला काली रेखा वैद्यनाथ धाम देवधर (झारखण्ड)	प्राक्शास्त्री-तृतीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य- प्रथम, द्वितीय
६.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टापटोरी पो० पटोरी बसंत जिला दरभंगा (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्मध्यमा- प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, ज्योतिष (सि०व फ०) व्याकरण)

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
७.	श्री चन्द्रिका दास संस्कृत महाविद्यालय, घौरी, भोजपुर (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, वेद, ज्योतिष, दर्शन)
८.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वेगूसराय बिहार	प्रथमा-प्रथम द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य व्याकरण)
९.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्याप्रतिष्ठान रमौली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) बहेरा, दरभङ्गा (बिहार)	प्रथमा, प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा— प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम-द्वितीय प्राक्शास्त्री—प्रथम द्वितीय
१०.	डा० मण्डन मिश्र, माध्यमिक संस्कृत विद्यालय, संजात बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय
११.	अजित कुमार मेहता संस्कृत शिक्षण संस्थान, पो० लहदरा जि० समस्ती पुर (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
१२.	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय झंझारपुर, मधुबनी, बिहार	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
१३.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यालय ग्राम—कालीधाम दरभंगा—बिहार	प्रथमा प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्व मध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा—प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
१४.	जे० एन० बी०० आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो० ऑ०, लगया, राममद्रपुर, वाया, लोहना रोड, जिला दरभंगा (बिहार)	प्राक्शास्त्री— प्रथम, द्वितीय शास्त्री— प्रथम, द्वितीय आचार्य— प्रथम (वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष् और धर्मशास्त्र) विद्या वारिधि
१५.	प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय दयालपुर, सारण विहार	प्रथमा— प्रथम, द्वितीय, तृतीय
दिल्ली		
१६.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेशनगर, नई दिल्ली—१५	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय
१७.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य राजघाट पावर हाऊस गांधी समाधि, नई दिल्ली	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
१८.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या सोसायटी के अंतर्गत) मंडावली, दिल्ली-११००९२	आचार्य-प्रथम, द्वितीय (कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष, फलित और सिद्धांत)
१९.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यापीठ वसंत नगर, नयी दिल्ली-११००५७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
२०.	रामदल संस्कृत महाविद्यालय दरीबां कलाँ, दिल्ली	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
२१.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ १०२१-१०२४, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली-११००२	प्रथमा—प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
२२.	श्री समन्तभद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज नई दिल्ली	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा- प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री -प्रथम, द्वितीय शास्त्री -प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय
२३.	श्री महावीर विद्यापीठ पश्चिम विहार, नई दिल्ली	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य—(साहित्य व्याकरण, सर्वदर्शन) विद्यावारिधि
२४.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-४८७/३, रघुवीर नगर नई दिल्ली-११००२७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा- प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री—प्रथम, द्वितीय
२५.	आर्यकन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर नयी दिल्ली-११००६०	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा-प्रथम, द्वितीय
२६.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय करोला, दिल्ली-११००८१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय
२७.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरवली, दिल्ली-११००३९	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
२८.	बाल विद्या मन्दिर रोहिणी, पूठ कलाँ दिल्ली—११००४१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
२९.	तपोवन संस्कृत महाविद्यालय नजफगढ़ (दिचाऊँ कलाँ) नई दिल्ली-११००४३	प्रथमा, प्रथम द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम, द्वितीय
३०.	इण्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक साईंस बी-५/१७१, कृष्णनगर, दिल्ली-११००५१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
गुजरात		
३१.	श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय, समर्थेश्वर महादेव एलिस ब्रिज, अहमदाबाद—६	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
३२.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय, श्री कौशलेन्द्र मठ, पो० पलाडी, सुरखेज रोड़ अहमदाबाद-गुजरात—३८०००७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय पूर्वमध्यमा, प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
३३.	एम. जे. पी संस्कृत महाविद्यालय नस्नपुर, अहमदाबाद-१३	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय
३४.	दर्शनम संस्कृत महाविद्यालय सखल गांधी नगर,	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
३५.	श्री शंकराचार्य अभिनव सच्चिदानन्दतीर्थ संस्कृत महाविद्यालय, द्वारका-३६१३३५ गुजरात	प्रथमा, प्रथम, तृतीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम द्वितीय प्राक्शास्त्री, प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय आचार्य—प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नवव्याकरण)
हरियाणा		
३६.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय, महेन्द्र गढ़ (हरियाणा)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री - प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
३७.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ बघौला, तहसील-पलवल जिला फरीदाबाद (हरियाणा)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
३८.	श्री रामकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय जी. टी. रोड., मुरथल जिला-सोनीपत हरियाणा	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम, द्वितीय
३९.	श्री रामानन्दा, ब्रह्मऋषि, महाविद्यालय, विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा)	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय
४०.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय पाण्डुपिण्डारा, हरियाणा	प्रथमा—प्रथम पूर्वमध्यमा—प्रथम उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
४१.	श्री कृष्ण प्रणामि संस्कृत महाविद्यालय, प्रणामि नगर (दादरी गेट) भिवानी, हरियाणा	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय, (साहित्य, व्याकरण)
जम्मू		
४२.	श्री गुरू गंगादेव शास्त्री महाविद्यालय, शिवशक्ती, सुंदरबणी राजौरी, जम्मू	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
केरला		
४३.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय, पायनूर-६७०३०७	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
४४.	रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो०-अरूणापुरम्, प्लाई (केरल)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
४५.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठम् पो० इडाक्काडम, इजहूकेन, क्वीलोन, केरल केरल	पूर्वमध्यमा- प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय
४६.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, कालीकट	प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय शास्त्री—प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य—प्रथम, द्वितीय
४७.	कोडांगलूर विद्यापीठ पैलेस रोड, पो० कोडांगलूर जिला-त्रिचूर (केरल)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय
४८.	श्री शंकर संस्कृत महाविद्यालय, वीमेन्स चैरिटेबुल सोसायटी, प्रधान कार्यालय, उलीन, त्रिवेन्द्रम—६९५०११	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
कर्नाटक		
४९.	एकेडेमी आफ संस्कृत रिसर्च मेलकोटे	शास्त्री-प्रथम, द्वितीय द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (वेदांत, व्याकरण) विद्यावारिधि
महाराष्ट्र		
५०.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के० एम० मुन्शी मार्ग मुम्बई-४००००७	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय
५१.	श्री अंबाजी संस्कृत विद्यालय, निवेतिया रोड, वसंत मुंबई (महाराष्ट्र)—४०००९७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
५२.	विवेकानंद संस्कृत पाठशाला विवेकानंद आश्रम, विवेकानंद नगर, पो, हिवाटा, (बी.यू.) तहसील मोहेकर, जिला बलधाना-(महाराष्ट्र) ४४३३०१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
मणिपुर		
५३.	मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ डी० एम० कालेज कैम्पस, इम्फाल मणिपुर	प्राक्शास्त्री-प्रथमा, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
५४.	राधामाधव संस्कृत महाविद्यालय, नाम्बूल मणिपुर	प्रथमा—प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय शास्त्री—प्रथम, द्वितीय आचार्य—प्रथम, द्वितीय
मध्य प्रदेश		
५५.	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वसंत नगर, जौरा, जिला-मुरैना (म० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पंजाब		
५६.	बाबा हरदित गिरि विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी अखारा शिरहिन्द सिटी, जिला पटियाला-	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
५७.	सरस्वती संस्कृत कालेज खन्ना—१४१४०१ जिला—लुधियाना (पंजाब)	प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय
राजस्थान		
५८.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, गंगापुर सिटी-३२२२०१ जिला-सवाईमाधोपुर (राजस्थान)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
सिक्किम		
५९.	हरेश्वर संस्कृत विद्यापीठ, लिंग्म दार्जिलिंग हरलोक, लिंग्स बाया रीनक, पूर्व सिक्किम-७३७१३३	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तर-प्रदेश		
६०.	आदर्श संस्कृत विद्या परिषद् सल्ट महादेव जिला-पौडी गढवाल (उ० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
६१.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र महाविद्यालय संस्थान इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य नव्यव्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन, कर्मकाण्ड, वेद)
६२.	श्री वटुकानाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-२२/१९५, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी-२२१०१०	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम-द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
६३.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, उत्तर प्रदेश	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
६४.	श्री बिल्वेश्वर संस्कृत महाविद्यालय, बिल्वेश्वर, पो० सिलयर, जिला०-मामर टिहरी गढ़वाल (उ० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
६५.	श्री महर्षि कण्व संस्कृत विद्यालय, उदयरामपुर, कोटद्वार, गढ़वाल, उ० प्र०	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
६६.	श्री टीबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली-उ० प्र०	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
६७.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पवरी गोहनिया, पो.ओ. जंसरा, इलाहाबाद	प्राक्शास्त्री-प्रथम द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
६८.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय पी-ओ. कौधियार, इलाहाबाद (उ० प्र०)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम द्वितीय (साहित्य व्याकरण)
६९.	देववाणी संस्कृत विद्यालय पो० आ० त्रियुगी नारायण, चमोली (उ० प्र०)	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री—प्रथम, द्वितीय, तृतीय
७०.	ज्वालपादेवी संस्कृत महाविद्यालय, ज्वालपा देवी मन्दिर पौड़ी गढ़वाल	
पश्चिम बंगाल		
७१.	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय दौरा पो० (कंटई) जिला-मिदनापुर पश्चिम बंगाल—७२१५०१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
७२.	श्री सीतारामदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय ७/२ पी. डब्ल्यू. डी. रोड, कलकत्ता-७०००३५	प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय विद्यावारिधि
७३.	ठाकुर गदाधर विद्यापीठ, पो० आरामबाग (कालीपुर) जिला हुगली (पश्चिमबंगाल)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री,-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, नव्यन्याय)

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
७४.	कालियाचक विक्रम किशोर संस्कृत विद्यालय विद्यालय, गांव—कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला—मिदनापुर (पश्चिम बंगाल)—७२१४३०	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, धर्मशास्त्र, व्याकरण, सांख्य योग, नव्य न्याय वेदान्त)
७५.	मदर उषा मैमोरियल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सैन्टर (मिनोरिटी इंस्टीट्यूट) गांव—वामनी गांव, पोस्ट ऑफिस (बैंकीदंगा) जिला—उत्तर प्रदेश (पश्चिम बंगाल)	प्रथमा प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्व मध्यमा—प्रथम, द्वितीय
७६.	भारतीय चतुष्पाठी श्री श्रीगुरु करुणा निकेतन, अम्पुलिया पारा, नवद्वीप, नादिया, (प० बंगाल)	प्रथमा— प्रथम पूर्वमध्यमा—प्रथम
७७.	विवेकानन्द वेद विद्यालय, रामा कृष्ण मठ, पो० ओ० वेलूर मठ जिला हावराह (पश्चिम बंगाल)—७११२०२	पूर्व मध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा प्रथम, द्वितीय

विद्यावारिधि पाठ्यक्रम के लिए संबद्ध संस्थाओं की सूची

१. पूर्ण शंसोधन मन्दिर
पूर्णपज्ञा विद्यापीठ, पूर्णपज्ञा नगर
कठारीगुप्पा मेन रोड, बंगलोर-५६००२३

२. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ,
पी०ओ० बघोला, तहसील-पलवल,
जिला फरीदाबाद (हरियाणा)

३. अकेडमी शोध संस्था
मेलकोट-५७१४३१, (कर्नाटक)

४. कुप्पुस्वामी शास्त्री शोध संस्था
८४, थेरु वी, का, रोड (रोयनपेत्ताह हाई रोड)
मैलापुरु मद्रास-६००००४

५. श्री महावीर विश्व-विद्यापीठ
पश्चिम विहार, नई दिल्ली-११००६३

६. वेद संस्थान,
सी-२२, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली-११००२७

७. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
७/२, पी. ओ. डी. रोड, कलकत्ता-७०००३६

८. सोशल हारमोनी शोध अक्षरधाम सेन्टर
जे. रोड सेक्टर-२०, गान्धी नगर,
अहमदाबाद-३८२०२०

९. शिव भारती शोध
जंगमवदी मठ, जंगमवदी,
वाराणसी-२२१००१ (यू.पी.)

१०. जे. एन. बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
पी. ओ.-लगमा (आर० बी० पुर वाइया- लोहना रोड,
दरभंगा (बिहार) ८४७४०७

११. राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ,
कोलहंता पटोरी, पी० ओ० पटोरी बसन्त
जिला दरभंगा-८४६००३

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली संघ एवं राज्य सरकारों के नामों की सूची

१. नं० ६/१२/७१ (डी) कैबिनेट सचिवालय
कार्मिक विभाग, भारत सरकार,
नयी दिल्ली

१-प्रथमा	=	मिडिल स्कूल
२-मध्यमा	=	उच्चतर माध्यमिक
३-शास्त्री	=	बी.ए.
४. आचार्य	=	एम.ए.
५. शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड
६. विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
७. वाचस्पति	=	डी. लिट्.

२. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग
नं० ७२५/७१६१(३)/७२ भोपाल,
दिनांक ५.१२.१९७२

वही

३. पंजाब सरकार, नं० ४७२-४६८-II ७२२६८६
दि० जनवरी १९७१

वही

४. शिक्षा निदेशक मणिपुर
११/८/७१ एस ई दिनांक ३० अगस्त १९७२

वही

५. शिक्षा निदेशक दिल्ली
एफ-३२/१२५/शिक्षा/७२
दिनांक २९-१-१९७२

वही

६. गोआ, दमन और दीव,
विशेष/स्थापना/२६६५-११
दिनांक २३ अक्टूबर १९७२

वही

७. तमिलनाडु सरकार,
ज्ञापन सं० ९४१२०/एच-१७२, २ शिक्षा
दिनांक—२ जनवरी, १९७३
पत्र संख्या-एल. डिस ३५०३३/०४

शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
प्रथमा	=	मिडिल स्कूल
उत्तरमध्यमा	=	उच्चतर माध्यमिक
पूर्वमध्यमा	=	मैट्रिक

८. महाराष्ट्र सरकार-८२/दि० २४-९-८२
अनुरोध सं०-एस. एस. एन. ३२७१/१५७४२७-ई
दिनांक २३ अक्टूबर १९७२

उत्तरमध्यमा	=	सीनियर स्कूल, सर्टिफिकेट प्राक्शास्त्री

९. उत्तरप्रदेश सरकार सं० १०/२/१२१९
नियुक्ति (४) लखनऊ
दिनांक २७ अगस्त १९७३

प्रथमा	=	मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा)
पूर्वमध्यमा	=	हाईस्कूल
उत्तरमध्यमा	=	इन्टरमीडिएट
शास्त्री	=	बी. ए.
आचार्य	=	एम. ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
विद्यावारिधि	=	पी.एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्

१०. हरियाणा सरकार सं० २१८, जी शिक्षा
(एस ई) ७४/१४६२० चंडीगढ़
दिनांक १३-५-७४
ज्ञापन संघ-डी ४/५०-७३-सी ओ (२)
दिनांक १२-२-१९८६

प्रथमा	=	मिडिल—VIII
मध्यमा	=	हायर सकैंडरी या इंटरमीडिएट
शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड
विद्यावारिधि	=	पी-एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्
शिक्षाशास्त्री	=	ओ. टी.

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालयों के नामों की सूची

१. महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय, पत्र सं० एसी/११/२२१ दिनांक ३०-६-९३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२. सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं० सामान्य/मान्यता/९७४ दिनांक १६.६.७८

मध्यमा	=	इंटरमीडिएट
शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

३. विक्रम विश्वविद्यालय प्रशासन/मान्यता/७३ दिनांक १ अगस्त १९७३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.
विद्यावारिधि	=	पी.एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्

४. आन्ध्र विश्वविद्यालय पत्र सं० १ (६) ३९२५/७२ दिनांक २७-९-९३

शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड

५. राजस्थान विश्वविद्यालय संदर्भ सं० एफ-४-१/७२ (शैक्षिक-११/११४६/ए दिनांक २५-५-७३ जयपुर

शास्त्री	=	बी.ए.

६. कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं० जी ए (डी ४) ८९९/७२ दिनांक २८-११-१९७३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

विद्यावारिधि	=	पी-एच० डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

७. श्री वेंकटेश्वर विश्वावेद्यालय आर. ओ. सी. संख्या-सी. आई. ३३०१७/७३ दिनांक १२-१२-७३

शास्त्री	=	बी. ए.
आचार्य	=	एम. ए.

८. मगध विश्वविद्यालय पत्र सं० ४७६७ ४८-२३ डी ११/बोधगया दिनांक ४-१२-७३

मध्यमा	=	हायर सेकेण्डरी
शास्त्री	=	बी. ए.
आचार्य	=	एम. ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
विद्यावारिधि	=	पी-एच-डी.

९. जम्मू विश्वविद्यालय पत्र संख्या-एफ. शैक्षिक V/१५३/७४/४/९५-९९ दिनांक १४-२-१९७४

मध्यमा	=	पूर्व विश्वविद्यालय
शास्त्री-भाग-१	=	बी. ए. भाग—१
शास्त्री-भाग-३	=	बी. ए. अंतिम वर्ष
आचार्य	=	एम. ए. संस्कृत या साहित्याचार्य

१०. अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी २१/८३/७३ दिनांक २२-२-१९७४

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

११. बर्दवान विश्वविद्यालय आर. सी. आई/समानार्थक/१४१/३७६१७४ दिनांक २४-६-७४

मध्यमा	=	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
शास्त्री	=	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्षीय)
आचार्य	=	एम. ए.
विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

१२. कानपुर विश्वविद्यालय पी एस के बी/बोर्ड/४३१८/७४-७५ दिनांक २२-११-७४

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

१३. उत्कल विश्वविद्यालय पत्र सं० ए सी- १/आर. एम./१७१/५१०४६/७५ दिनांक १-७-१९९५

शास्त्री	=	बी.ए.

(द्रष्टव्य क्रम सं० ३२ सी)

१४. पूना विश्वविद्यालय ई एल जी/समकक्षता-१०९/३९४९/दिनांक २६-४-१९७५

प्राक्शास्त्री	=	प्री-डिग्री
शास्त्री	=	बी.ए.संस्कृत
आचार्य	=	एम. ए. संस्कृत
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.संस्कृत

१५. जयपुर विश्वविद्यालय पत्र सं० ई०/३०१३ दिनांक १३-५-१९७५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

१६. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पत्र सं० ए सी एम-११/६११५ दिनांक ६-६-१९७५ और ए सी एम/११/१३७/७/७६११००० दिनांक ७-८-७५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.

१७. गुजरात विश्वविद्यालय परीक्षा/बी. मान्यता सं० ३२४८२ दिनांक १७-९-१९७५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

१८. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् पत्र संख्या-एफ. ३६/ओईन ३१/संस्कृत/२२७२१ दिनांक २३-१२-७४

प्रथमा	=	मिडिल स्कूल तथा परिषद् से सम्बद्ध विद्यालयों में नवीं कक्षा में प्रवेश हेतु।

१९. केरल विश्वविद्यालय पत्र सं० सी-३/७२०/७६ जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक २२-३-७६

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२०. विश्वभारती पत्र सं० जी-४-४३ दिनांक २३-४-७६

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.
विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

२१. भारतीय विश्वविद्यालय संघ पत्र सं० ई वी—११९२२/७६/३२७३५ दिनांक ७-२-७६

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२२. हिमाचलप्रदेश विश्वविद्यालय पत्र सं० १२/१३/७२ एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक १९-१२-७७

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.
विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

२३. दिल्ली विश्वविद्यालय पत्र सं०-१/मान्यता/डी/८४ दिनांक १४-११-८४

शास्त्री	=	(बी.ए. पासकोर्स) एम. ए. संस्कृत में प्रवेश के लिए
आचार्य	=	एम. ए.

२४. संभलपुर विश्वविद्यालय पत्र सं० ११७२७/शैक्षिक-दिनांक ४-५-७९

शास्त्री	=	बी.ए. (एम. ए. संस्कृत में प्रवेश हेतु)

२५. श्री कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र संख्या-९३५६७४ दिनांक ४-१०-७४

मध्यमा	=	मध्यमा
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य
शिक्षाशास्त्री	=	शिक्षाशास्त्री
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि
वाचस्पति	=	विद्या वाचस्पति

२६. कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ पत्र सं०-मान्यता/के- १०८/शैक्षिक/१५०४ दिनांक १२-७-७९

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२७. गुरुनानक देव विश्वव्द्यालय अमृतसर पत्र सं० सामान्य/मान्यता/३९२० दिनांक २२-४-१९८०

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.

२८. मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं० सी आर-III/मान्यता /१९२५ दिनांक १७-३-१९८०

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.

(यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)

२९. पंजाब विश्वविद्यालय पत्र सं० एस-१६८८१ दिनांक २८-११-१९८०

प्रथमा	=	प्राज्ञ
मध्यमा	=	विशारद
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य

३०. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं० ५१६३/८४/एस.जे. एस. बी. दिनांक १०-८-८४

प्रथमा	=	प्रथमा
पूर्वमध्यमा	=	मध्यमा
उत्तरमध्यमा	=	उपशास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि
वाचस्पति	=	वाचस्पति

३१. बरहमपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, वरहमपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं० ५१३१/शैक्षिक -११/बी यू/८४ दिनांक १६-४-८४

शास्त्री	=	बी.ए. (पास)
आचार्य	=	एम. ए. (संस्कृत)

३२. उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं० १८८२६ दिनांक ५-६-८४

आचार्य	=	एम. ए. संस्कृत

(बी.ए.स्तर तक अंग्रेजी सहित)

३३. त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू काठमांडू नेपाल पत्र सं० ३७२/८४ दिनांक १९-९-८४

प्राकशास्त्री	=	प्राक्शास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री

३४. संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं० जी-४५८/४०१९/७४-८५

प्राक्शास्त्री	=	प्राक्शास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री

३५. भोपाल विश्वविद्यालय भोपाल पत्र सं० १११२/बी यू/शैक्षिक/८५ दिनांक १५-३-८५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.
विद्यावारिधि	=	पी-एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

३६. संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं० शै०-१७२२/९२ दिनांक २२-१२-९२

आचार्य	=	आचार्य
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि (पी. एच. डी.)
वाचस्पति	=	वाचस्पति (डी. लिट्.)

३७. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र पत्र सं०-ए सी एम/११/१३७/९२/३२४८९ दिनांक २८-१२-९२

शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ)	=	बी.ए. (पास) टी डी सी (१० + १ + ३ योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण हो ।
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	एम. ए.

(यदि विद्यार्थी ने अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए. उत्तीर्ण किया हो)

३८. मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार/शिक्षा नयी दिल्ली के पत्र सं. एफ-७-२/८३-संस्कृत- २ दिनांक ३१ दिसम्बर १९९२

शिक्षाचार्य = एम.एड.

३९. रवि शंकर विश्वविद्यालय पत्र सं० २९४७/ए के ए मान्यता/९० रायपुर दिनांक ३-८-१९९०

४०. मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर-इम्फाल नोटिस दिनांक ३ जनवरी १९९२

शास्त्री = अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए.

४१. अजमेर विश्वविद्यालय पत्र सं० एफ १४(१९३ शिक्षा-११/यू ओ ए/९२/३४००/३५०६ दिनांक ६ फरवरी १९९२

शिक्षाशास्त्री = बी.एड.